हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 12 जुलाई 2026

चन्नी गुट से मिले पंजाब प्रभारी बघेल

वडिंग को नहीं हटाया जाएगा, पार्टी के अंदर कोई झगड़ा नहीं, जिताऊ उम्मीदवार को ही यहां दिया जाएगा टिकट

बघेल ने सभी से बात की, सभी ने राय रखी और हाई कमान के फैसले को मानेंगे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब में कांग्रेस के अंदर इस वक्त खींचतान चल रही है। इसी बीच शनिवार को पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने समर्थकों के साथ चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल से मुलाकात की।

चन्नी गुट के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि पार्टी में कोई झगड़ा नहीं है, लेकिन उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वर्तमान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। बघेल ने कहा कि राणा (कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत) ने हमें बुलाया था। वे एक वरिष्ठ नेता हैं। मैंने सभी साथियों से बात की और उनसे मिला। उन्होंने अपनी राय रखी और हाई कमान के फ़ैसले पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। सभी हाई कमान के साथ हैं।

सभी के हितों का ध्यान रखा जाएगा

बघेल ने कहा कि मेरे साथियों ने कुछ बातें उठाईं और मैंने उन सभी को भरोसा दिलाया कि मैं सभी के हितों का ध्यान रखूंगा। किसी को भी इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए क्योंकि उन्हें किसी बड़े नेता का समर्थन नहीं है। अगर कोई उम्मीदवार जीतने की काबिलियत रखता है, तो उसे निश्चित रूप से टिकट मिलेगा। साथियों ने कुछ मुद्दे उठाए।

भूपेश बघेल और चन्नी आपस में मिले, बात भी की

अध्यक्ष न बनाने पर चन्नी गुट था नाराज

कांग्रेस ने 1 जुलाई को ऐलान किया था कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब यूनिट के अध्यक्ष बने रहेंगे और जालंधर के सांसद चन्नी कैंपेन कमिटी के चेयरमैन होंगे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष न बनाए जाने से नाराज बताए जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी, बघेल से नहीं मिले। बघेल सोमवार को पंजाब पहुंचे थे और राज्य के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे थे। हालांकि, चन्नी के करीबी कई नेता भी इन बैठकों से दूर रहे।

वडिंग को हटाने पर चर्चा नहीं की

बघेल ने कहा कि मौजूदा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में 'चन्नी बनाम वडिंग' गुट के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है और पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी प्रदेश अध्यक्ष के पद से अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटवाना चाहते थे। लेकिन बघेल ने कांग्रेस नेता राणा गुरजीत सिंह के घर चन्नी और चन्नी गुट के नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को हटाने के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई। हालांकि पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल ने कहा कि यदि कोई नेता काबिल है और उसमें जीतने की क्षमता है तो निश्चित रूप से उसे टिकट मिलेगा।

चन्नी को मिला बूटा सिंह परिवार का समर्थन

पंजाब कांग्रेस में चल रही उथल-पुथल के बीच चन्नी को पूर्व केंद्रीय मंत्री बूटा सिंह के परिवार का समर्थन मिला है। बूटा सिंह केंद्र की सरकार में गृह मंत्री रहे और सिख राजनीति के बड़े चेहरे थे। बूटा सिंह के बेटे सरबजोत सिंह और बेटी गुरकीरत कौर ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी से उनके घर पर मुलाकात की।

खबर संक्षेप

1.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न अब तक फाइल

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को बताया कि 2025-26 फाइनेंशियल ईयर के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। 2025-26 फाइनेंशियल ईयर में हुई कमाई के लिए आईटीआर 1 और 2 फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। विभाग ने 'एक्स' पर कहा, 1.7 करोड़ से ज़्यादा टैक्सपेयर्स ने समझदारी भरा कदम उठाते हुए एवाय 2026-27 के लिए अपने आईटीआर फाइल कर दिए हैं।' इनमें से 10 लाख से ज्यादा रिटर्न शुक्रवार को फाइल किए गए। आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) एक आसान फॉर्म है जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्सपेयर्स की जरूरतों को पूरा करता है।

प्रदर्शन की नहीं दी जा रही अनुमति : उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर होने वाले प्रदर्शन के लिए उनकी पार्टी को अब तक अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर इस कार्यक्रम को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस कई दिनों से प्रदर्शन की अनुमति लेने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक मंजूरी नहीं मिली है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाना नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रमुख मांग रही है।

कार की ट्रक से टक्कर 4 की मौत, 4 घायल

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। 4 अन्य घायल हो गए। हादसा माजेवाड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का परिवार एक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की वजह पता नहीं चली है।

नरोत्तम का टिकट कटने से डबरा से लेकर दतिया तक शनिवार दोपहर तक बवाल

एक टिकट कटने से मचा तूफान

हाईकमान के आदेश पर नरोत्तम को बुलाकर समझाया, तेवर ठंडे

नरोत्तम का टिकट कटने के बाद दतिया में रात भर और शनिवार दोपहर तक उनके समर्थकों ने बवाल काटा, भाजपा दफ्तर को बंधक बना लिया। हाईवे जाम किया और पथराव इतना किया कि कई पुलिस अफसर घायल हो गए, दिल्ली तक इस उपद्रव की गूंज पहुंच गई

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल/ दतिया

प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दतिया से टिकट कटने के बाद मचे बवाल पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व को संदेश दिया है कि नरोत्तम को तलब कर समझाया जाए। उन्हें बता दिया जाए कि इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यकर्ता पार्टी का निर्णय मान कर काम करें वर्ना एक्शन लिया जाएगा। संदेश मिलने के बाद नरोत्तम शनिवार को पंजाब मेल से भोपाल पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं ने उनसे बात कर नेतृत्व की मंशा बताई। बताया गया कि पार्टी का निर्णय अंतिम है। इसलिए समर्थकों को समझाने का दायित्व आपका है। नरोत्तम ने कहा कि वे नाराज कार्यकर्ताओं को मनाएंगे, इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों से भी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वे किसी से नाराज नहीं हैं और न ही टिकट को बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी के किसी नेता का फोन उनके पास नहीं गया। दूसरी तरफ दतिया में शुक्रवार को नरोत्तम का टिकट कटने के बाद शुरू हुआ उपद्रव शनिवार दोपहर तक जारी रहा। समर्थकों ने पुलिस पर पथराव किया। जिसमें एसपी, एएसपी सहित 8 पुलिस कर्मी घायल हुए। पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ कर उपद्रियों को लाठियों से खदेड़ना पड़ा।

सिंधिया संभालेंगे उपचुनाव की कमान

इन घटनाक्रमों के बीच पार्टी ने ऐलान किया कि दतिया उपचुनाव की कमान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संभालेंगे। रात करीब 8.15 बजे सीएम हाउस पहुंचकर नरोत्तम ने डॉ. मोहन यादव के समक्ष अपना पक्ष रखा। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भावुक होकर जिन पार्टी पदाधिकारियों ने अपने इस्तीफे दिए हैं, उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वे अपने पद पर बने रहेंगे।

ऐसे तेवर हुए नरम

▶▶ चुनाव हारने के बाद कहा था- मेरा पानी उतरता देख किनारे पर घर मत बना लेना, मैं समंदर हूं लौटकर आऊंगा।

टिकट कटने पर बोले

▶▶ अब जो चाहे किनारे पर घर बना ले।

शिवसेना ने नरोत्तम को दिया ऑफर इधर कांग्रेस उम्मीदवार का ऐलान

मध्य प्रदेश की हाईप्रोफाइल दतिया विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल चरम पर पहुंच गई है। कांग्रेस ने टिकट वितरण को लेकर चल रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए पूर्व विधायक घनश्याम सिंह को दतिया उपचुनाव के लिए अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया है। वहीं, दूसरी ओर इस उपचुनाव के बीच शिवसेना यूबीटी के एक दांव ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। शिवसेना यूबीटी ने बीजेपी नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरने का खुला ऑफर दिया है।

तड़के चार बजे पुलिस पर अचानक पथराव, पुलिस ने ली गद्दों की आड़

नरोत्तम समर्थकों का बवाल शनिवार दोपहर तक जारी रहा। पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल ने 'हरिभूमि' को बताया कि प्रशासन की तमाम अपीलों के बावजूद, शनिवार तड़के करीब 4 बजे प्रदर्शनकारियों ने अचानक पुलिस बल पर भारी पथराव शुरू कर दिया। पुलिस वालों गद्दों की आड़ लेकर खुद को बचाया। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिसके बाद उपद्रवियों ने पथराव और तेज कर दिया। इस हिंसक हमले में 8 से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान खुद एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी को भी चोटें आई हैं। पुलिस पर हमले के बाद सुरक्षा बलों ने दोबारा आंसू गैस का इस्तेमाल किया और इलाके में अपना दबदबा बनाते हुए भीड़ को खदेड़ दिया।

बांग्लादेश में जम्मू-कश्मीर का दिखाया गलत नक्शा

भारतीय महिला अधिकारी ने बीच कार्यक्रम में टोका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार को आयोजित एक सेमिनार के दौरान जम्मू-कश्मीर का गलत नक्शा दिखाए जाने पर भारतीय उच्चायोग की अधिकारी ने बीच कार्यक्रम में ही आपत्ति जताई।

यह मामला तब सामने आया, जब बांग्लादेश के पूर्व उच्चायुक्त अहमद तारिक करीम सार्क पर प्रस्तुति दे रहे थे। प्रेजेंटेशन में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया। इस पर भारतीय उच्चायोग में सेकंड सेक्रेटरी पूजा कुमारी झा ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा, 'यह गलत नक्शा है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।'

बांग्लादेश ने दी सफाई

करीम ने सफाई देते हुए कहा कि नक्शा सिर्फ प्रेजेंटेशन के लिए इस्तेमाल किया गया था और यह वास्तविक सीमाएं नहीं दिखाता। हालांकि पूजा झा ने दोबारा भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर को इस तरह दिखाना गलत है। इसके बाद करीम ने भारत की आपत्ति स्वीकार करते हुए कहा, 'आपकी बात दर्ज कर ली गई है।' यह घटना ढाका में सार्क पर आयोजित एक सेमिनार के दौरान हुई, जिसमें बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद भी मौजूद थीं। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हुआ वायरल

झा और करीम के बीच हुई इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। कई भारतीय यूजर्स ने झा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिना देर किए गलत नक्शे पर आपत्ति जताकर भारत का पक्ष मजबूती से रखा। इस सेमिनार में बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थीं। उन्होंने अपने भाषण में दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया और सार्क को फिर सक्रिय करने के लिए कई सुझाव दिए।

पत्नी-बच्चों, फिर पीड़िता और उसके परिवार को मार डाला

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही कर दीं 6 हत्याएं

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं।

पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित , उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था।

पहले ही मारने की धमकी दी थी

लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया। उसके परिवार को पता था कि वह कहां है, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

तेलंगाना की घटना

परिजनों का आरोप

परिजनों ने कहा, घटना के 20 दिन बाद हमने पुलिस को फिर से बताया कि वह घूम रहा है और कह रहा है कि वह लड़की को मार डालेगा। उन्होंने कहा कि वे उसे ढूंढ रहे हैं। मामला दर्ज होने के सिर्फ दो दिन बाद ही वह जमानत पर बाहर आ गया था। उसने रिश्वत दी थी और मामला दबा दिया गया। अब उसने लड़की की हत्या कर दी है और यह सब पुलिस की लापरवाही की वजह से हुआ है। उन्हें सस्पेंड किया जाना चाहिए और आरोपी को हमारे हवाले कर देना चाहिए।

आतंकी कंदो के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस हुआ जारी

नई दिल्ली। कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एजेंसी ने 2013 के तारजू (हैगाम) आतंकी हमले के मुख्य आरोपी हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी इम्तियाज अहमद कंदो उर्फ फयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी करवा लिया है। यह नोटिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकियों को पकड़ने का ताकतवर हथियार है। इससे दुनिया भर की पुलिस एजेंसियां आरोपी को ढूंढकर हिरासत में ले सकेंगी। भारत को प्रत्यर्पण (एक्सट्राडिशन) के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी। यह सफलता एसआईए की मेहनत और पेशेवर जांच का नतीजा है। 26 अप्रैल 2013 को सोपोर के हैगाम के पीर मोहल्ला में आतंकियों ने पुलिस पार्टी पर अचानक हमला कर दिया। आतंकवादी ऑटोमैटिक हथियारों से लैस थे। इस हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार जवान शहीद हो गए। यह उस समय सुरक्षा बलों पर हुए सबसे गंभीर आतंकी हमलों में से एक था। मामला शुरू में तारजू पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था।

एथेनॉल मिलाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में पेट्रोल में 20% एथेनॉल (ई20) मिश्रण नीति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें अनिवार्य रूप से उपभोक्ताओं के अधिकारों की बात की गई है।

याचिका में कहा गया है कि ई20 पेट्रोलियम उपभोक्ताओं को जागरूक करने, ईंधन वितरण में नोजल पर इथेनॉल प्रतिशत प्रदर्शित करने और पुरानी गाड़ियों के लिए सादे पेट्रोल का विकल्प देने की भी मांग की गई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने दायर की है। इस याचिका में कहा गया है कि हर पेट्रोल पंप पर ईंधन के नोजल और रसीद (बिल) पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए कि ईंधन में कितने प्रतिशत एथेनॉल का मिश्रण किया गया है।

बिना बताए वाहन में एथेनॉल पेट्रोल डालने का मामला

उपभोक्ता अधिकारों का हनन

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में ये भी कहा है कि बिना जानकारी के ईथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (विशेषकर ई20) बेचना उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन है, क्योंकि कई पुराने वाहन इसके लिए अनुकूल नहीं हैं। याचिका में ये आग्रह किया गया है कि बिना स्पष्ट निर्देशों के अन ईंधनों के उपयोग से वाहन की माइलेज और इंजन के कल पुर्जों पर पड़ने वाले प्रभाव से भी उपभोक्ताओं को सुरक्षा दी जाए। याचिका में यह भी साफ किया गया है कि यह याचिका सरकार की पर्यावरण-अनुकूल एथेनॉल नीति का विरोध नहीं करती है बल्कि इसे लागू करने में ग्राहकों के लिए पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर देती है।

बहामास में हादसा जांच जारी है

विमान क्रैश, सभी 10 यात्रियों की मौत

एजेंसी ▶▶ नार्थ एंड्रोस

बहामास के नॉर्थ एंड्रोस इलाके में शुक्रवार को फ्लेमिंगो एयर का एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक यात्री को जिंदा निकाला गया था, लेकिन बाद में उसने भी दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच के मुताबिक, सेना 402C विमान ने राजधानी नासाउ से उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ देर बाद पायलट ने तकनीकी दिक्कत की जानकारी दी, जिसके बाद विमान जंगल वाले इलाके में गिर गया। हादसे के बाद बहामास सरकार ने एहतियात के तौर पर फ्लेमिंगो एयर

की सभी उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं। इसी दिन एयरलाइन के एक अन्य विमान में भी तकनीकी खराबी आने के बाद उसे वापस नासाउ लौटना पड़ा था। लैंडिंग के बाद उसमें आग लग गई, हालांकि उस विमान के सभी यात्री सुरक्षित बच गए। सरकार और विमान दुर्घटना जांच एजेंसी हादसे के कारणों की जांच कर रही है। फ्लेमिंगो एयर ने भी जांच में पूरा सहयोग देने और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

कमीशनिंग कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत में निर्मित स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को नौसेना में शामिल कर लिया गया। यह नौसेना के 17ए नीलगिरि प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसे विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में कमीशन किया गया है।

कमीशनिंग कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह एक ब्लू वाटर शिप है, जो केवल तट के पास ही नहीं, बल्कि हफ्तों तक गहरे महासागरों में रहकर भारत के समुद्री हितों की रक्षा कर सकता है। आईएनएस महेंद्रगिरि का नाम ईस्टर्न घाट (पूर्वी घाट) में स्थित महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। इसे सामर्थ्य और अटूट संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इस युद्धपोत से एक गौरवशाली विरासत का निर्माण होने और भारत के समुद्री इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने की उम्मीद है।

भारत के समुद्री इतिहास में जुड़ा एक नया अध्याय

खुले नए रोजगार के अवसर

रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि इसके निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की बड़ी संख्या में कंपनियों ने भाग लिया। इससे देश के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूती मिली और नए रोजगार भी उपलब्ध कराए गए।

75 प्रतिशत हिस्सा इंडिया मेड है इसका : रिपोर्ट में बताया गया कि इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, इसे बनाने का श्रेय मजगांव शिपबिल्डर्स लिमिटेड को जाता है। भारत द्वारा बनाया गया स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती एक्सपर्टीज को दर्शाता है। आईएनएस महेंद्रगिरि की लंबाई 149 मीटर और चौड़ाई 17.8 मीटर है, जबकि इसका वजन 6,670 टन है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा भारत में बना है, जो सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता को दर्शाता है।

नौसेना के लिए किस प्रकार मददगार

महेंद्रगिरि अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों, सेंसरों और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से लैस है। इससे यह समुद्र, स्थल और आकाश—हर जगह सेना के ऑपरेशन को सफल बनाने में सक्षम है। यह जहाज समुद्री सुरक्षा अभियानों, खोज एवं बचाव अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में नौसेना की मदद करेगा। इसके साथ ही इसकी निरंतर तैनाती हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे के क्षेत्रों में भी की जा सकती है।

प्रोजेक्ट 17ए नीलगिरि

इस श्रेणी के अंतर्गत 7 स्वदेशी युद्धपोत बनाए जाने हैं। जिनमें से 6 को कमीशन कर दिया गया है। इनमें आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि, आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस तारागिरि, आईएनएस दूनागिरि और आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बरसात आते ही थम जाती है जिंदगी...

छत्तीसगढ़ के सैकड़ों गांव ऐसे जहां पुल पुलिया नहीं होने से जीवन ठहर जाता है

उनकी मांग करोड़ों की नहीं, थोड़ा विकास दे सकता है सुखद अहसास

डिजिटल इंडिया में टापू बनते गांव, कहीं 20 साल से जर्जर पुलिया, कहीं नाव ही सहारा

एक तरफ देश तकनीक और विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के सैकड़ों ग्रामीण इलाके आज भी बुनियादी ढांचों के अभाव में मानसून के आते ही दुनिया से कट जाते हैं। ऐसे गांव पूरे प्रदेश में हैं। आज हम गरियाबंद, बस्तर और डौंडी अंचल के दर्जनों गांवों के हालात बता रहे हैं। हल्की बारिश भी यहां की रफ्तार पर ब्रेक लगा देती है। कहीं दो दशकों से क्षतिग्रस्त पुलिया नहीं सुधारी गई, जिससे 32 गांव टापू बन जाते हैं; कहीं करोड़ों की लागत से बन रहे पुल सालों से अधूरे हैं और ग्रामीण उफनती नदियों को नाव के सहारे पार करने को मजबूर हैं; तो कहीं प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद भी काम शुरू न होने से स्कूली बच्चों और किसानों को महज 4 किलोमीटर के सफर के लिए 30 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं की यह कमी बारिश के दिनों में न सिर्फ आवागमन को रोकती है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आपातकालीन सेवाओं को ठप कर ग्रामीणों की जिंदगी को संकट में डाल देती है।

उफनती नदियां कई गांवों का बंद कर देती है रास्ता

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के कई गांव भारी बारिश के दौरान हर साल टापू में तब्दील हो जाते हैं। लगभग 17 से अधिक गांव में उफनती नदियां (जैसे इंद्रावती और शबरी) और बाढ़ का पानी मुख्य मार्गों को डुबो देते हैं, जिससे इन इलाकों का संपर्क पूरी तरह कट जाता है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के नक्सल प्रभावित रहे 15 गांव में आने-जाने के लिए पक्की सड़क और इन्द्रावती नदी पर पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। लोगों को गांव से दूसरे गांव या ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए केवल नाव का ही सहारा है। सेतु निर्माण की ओर से बिन्ता-सतसपुर से धर्माबेड़ा में इन्द्रावती नदी पर 24.26 करोड़ की लागत से पुल निर्माण कार्य ▶▶|शेष पेज 5 पर

20 साल में नहीं बना क्षतिग्रस्त पुल, 32 गांव बन जाते हैं टापू

परमेश्वर यादव ▶▶|रसेला

देश में डिजिटल इंडिया के नारे के बीच आज भी कई गांव साधन-सुविधा के इंतजार में हैं। आजादी के इतने वर्ष बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। गरियाबंद जिले के रसेला के आसपास के गांवों की भी यही कहानी है। यहां 20 साल पहले पुल क्षतिग्रस्त हुआ था, जिसे आज तक नहीं बनाया गया है। लिहाजा बारिश होने पर पुल पर तीन फीट से ज्यादा पानी बहने लगता है। इस कारण करीब 32 गांव टापू बन जाते हैं। उन्हीं ग्रामों में से एक ग्राम है रसेला, जहां सडक, पुल, शिक्षा और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं का बुरा हाल है। कहने को तो इस अंचल में पीएमजेएसवाई के तहत बनायी गई सड़कें जरूर है, लेकिन इस अंचल में पहुंचने के लिए ▶▶|शेष पेज 5 पर

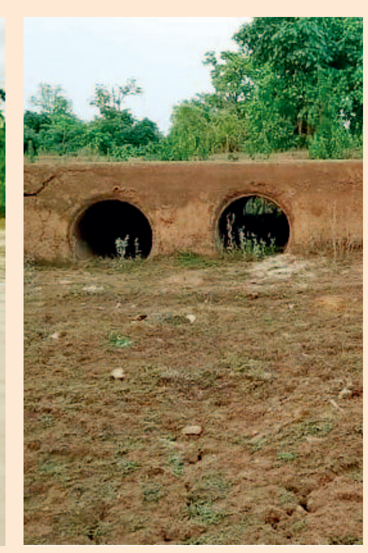

चार साल बाद भी नहीं बना पुल, 4 किमी के लिए लगाना पड़ता है 30 किमी का फेरा

अनिल सुतार ▶▶|कुसुमकसा

बालोद जिले के विकासखंड डौंडी के चिपरा से किल्लेकोड़ा मुख्य मार्ग पर जुझारा नाला में बने पुराने पुल की ऊंचाई कम होने के कारण हर बारिश में पुल के ऊपर पानी भर जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह बंद हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर शासकीय हाई स्कूल किल्लेकोड़ा में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और किसानों पर पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस विद्यालय में चिपरा, भर्रीटोला-43, रजही, ककरेल, जुनवानी और मरकामटोला के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। ▶▶|शेष पेज 5 पर

चार दशकों से ट्यूब और नाव के सहारे चल रही ग्रामीणों की जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ का गठन होने के बाद कई सरकारें बदली लेकिन संभाग मुख्यालय से महज 15 किमी दूरी पर स्थित ग्राम लवईडीह की हालत में कोई बदलाव नहीं आया है। ग्रामीण दशकों से अपनी जिन्दगी को आसान बनाने, पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन अब तक इस दिशा में कोई पहल नहीं हो सकी है। श्याम घुनघुट्टा सिंचाई बांध बनने के बाद ग्राम लवईडीह बांध के डूबान क्षेत्र में आ गया। बड़े इलाके में घुनघुट्टा नदी का ▶▶|शेष पेज 5 पर

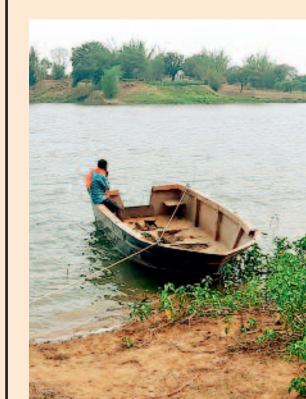

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹108815/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹132900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹145072/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

स्पीडबोड में सवार थे 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के चार सदस्य

वियतनाम में नौका पलटी 15 भारतीयों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶|नई दिल्ली

वियतनाम घूमने गए दक्षिण भारत के मोबाइल फोन कंपनी के कारोबारी सहयोगियों की यात्रा शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में बदल गई, जहां नाव पलटने की घटना में 15 भारतीयों की मौत हो गई। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली निवासी शेख अब्दुल्ला अब्दुल मजीद भी मृतकों में शामिल हैं। मजीद के एक रिश्तेदार ने बताया, उन्होंने सुबह अपनी नन्हीं सी पोती का चेहरा वीडियो कॉल पर देखा और पत्नी व बेटे से बात की। किसी को नहीं पता था कि यह परिवार से उनकी आखिरी बातचीत होगी। अब्दुल्ला एक मोबाइल फोन कंपनी के चैनल पार्टनर थे। कंपनी ▶▶|शेष पेज 5 पर

मदद के लिए कंट्रोल रूम

प्रभावित परिवारों की मदद, जानकारी देने के लिए हो ची मिन्ह सिटी में मौजूद भारतीय दूतावास में एक कंट्रोल रूम तैयार कर दिया गया है। लोग इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

+84 36 281 7930/ +84 91 552 37 14

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नागरिकों की मौत पर शनिवार को गहरा शोक व्यक्त किया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, वियतनाम में फू क्वोक के निकट भारतीय नागरिकों को ले जा रही नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से बहुत दुख हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय दूतावास और भारतीय वाणिज्य दूतावास हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी भी वियतनाम के अधिकारियों के साथ करीबी संपर्क में हैं।

विदाई का सही वक्त तय करता है महानता

समय स्वयं से कभी सार्वजनिक घोषणा नहीं करता। वह कोई शंखनाद नहीं करता, कोई बिगुल भी नहीं बजाता। वह केवल संकेत देता है। जो संकेतों को समझ लेते हैं, वे इतिहास में गरिमा के साथ दर्ज होते हैं। जो उन्हें अनसुना करते हैं, वे भी इतिहास में दर्ज तो होते हैं, लेकिन उनके अंतिम अध्याय पर अक्सर एक अनावश्यक उदासी की परत चढ़ जाती है।

लंदन से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

गत दिवस विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर जैनिक सिनर के हाथों नोवाक जोकोविच की लगातार तीन सेटों में हुई हार केवल एक सेमीफाइनल का परिणाम नहीं थी। वह समय की दस्तक थी। यह वह क्षण था, जब टेनिस ने स्वयं अपने सबसे बड़े योद्धाओं में से एक से समय ने कहा, अब अगली पीढ़ी का समय है।

रोजर फेडरर ने यह आवाज़ समय रहते सुन ली थी। राफेल नडाल ने भी सुन ली। दोनों जानते थे कि महानता केवल यह नहीं कि आप कितनी बार जीतते हैं; महानता यह भी है कि आप विदा कब लेते हैं? वे खेल से हारे नहीं थे, उन्होंने बढ़ती उम्र के अहसास को महसूस कर समय से संघर्ष करना छोड़ दिया था। इसलिए आज उनकी स्मृतियों में पराजय नहीं, केवल वैभव दिखाई देता है।

नोवाक जोकोविच अलग प्रकृति के खिलाड़ी हैं। शायद टेनिस इतिहास में उनसे अधिक जुझारू खिलाड़ी कम ही हुए हैं। टूटना उन्होंने सीखा ही नहीं। कठिन से कठिन परिस्थितियों में लौटकर जीतना उनकी पहचान रही है। यही जिद, यही आत्मविश्वास और यही अदम्य इच्छाशक्ति उन्हें उन ऊँचाइयों तक ले गई, जहाँ पहुँचना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए केवल सपना रह जाता है। इसीलिए आज भी वे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुँच जाते हैं। उनतालीस वर्ष की आयु में भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच खड़े दिखाई देते हैं। ▶▶|शेष पेज 5 पर

शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल

विम्बलडन का पुरुष एकल फाइनल इस बार दुनिया के नंबर एक और नंबर दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष भी फाइनल शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच ही हुआ था, बस चेहरे बदल गए हैं। तब मुकाबला कार्लोस अल्काराज़ और यानिक सिनर के बीच था, जिसमें सिनर ने बाजी मारते हुए फ्रेंच ओपन की हार का बदला महज कुछ ही सप्ताह बाद विम्बलडन की घास पर चुका दिया था। इस बार कहानी फिर कुछ वैसी ही लग रही है। फर्क इतना है कि सामने कार्लोस अल्काराज़ नहीं, बल्कि फ्रेंच ओपन के नए चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव हैं। पेरिस की लाल मिट्टी पर ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद अब ज़्वेरेव की परीक्षा विम्बलडन की हरी घास पर होगी, जबकि दूसरी ओर गत चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर अपने ताज को बचाने के इरादे से उतरेंगे। दोनों की मौजूदा फॉर्म, रैंकिंग और दांव पर लगी प्रतिष्ठा को देखते हुए टेनिस प्रेमियों को एक रोमांचक ▶▶| शेष पेज 5 पर

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीज़न्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयर पर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेज़ी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ़ाउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

धीरूभाई अंबानी ने एक बार कहा था, ₹जो लोग सपने देखने की हिम्मत करते हैं, उनके लिए जीतने के लिए पूरी दुनिया होती है।₹ और परिवार में जिस व्यक्ति ने बड़े और सबके साथ मिलकर आगे बढ़ने वाले सपने देखे हैं, वे उनकी बहू नीता अंबानी हैं। रिलायंस फ्राउंडेशन की चेयरपर्सन के तौर पर, वह ऐसे संस्थान बनाने पर ध्यान देती हैं जो बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी लाते हैं, और साथ ही सबके साथ मिलकर विकास (इनक्लूसिव ग्रोथ) के विज़न को आगे बढ़ाते हैं।

शुरुआत से ही, फ्राउंडेशन ने अपनी सामाजिक पहलों के ज़रिए 9.7 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी को छुआ है। अकेले FY26 में, इसने सीएसआर प्रोग्राम पर 2,248 करोड़ रू. खर्च किए, जो पिछले साल के 2,156 रू. करोड़ से ज़्यादा है। आगे की बात करें तो, अंबानी ने 2035 तक फ्राउंडेशन के सामाजिक प्रभाव को पाँच गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई में 2,000 बिस्तरों वाले मेडिकल सिटी के साथ जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज बनाना भी शामिल है। 'वंतारा' में, वह दुनिया की पहली वाइल्डलाइफ़ यूनिवर्सिटी बनाने का सपना देखती हैं। "आने वाले सालों में हम जो हासिल कर सकते हैं, उसे लेकर मैं उत्साहित हूँ।"

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक बातचीत में श्री नेविन जॉन ने बताया कि श्रीमती नीता अंबानी जी कहती हैं "हमारे लिए, 'अच्छा काम करना' सिर्फ़ एक पहल नहीं है और 'WE CARE' (हम परवाह करते हैं) सिर्फ़ एक सोच नहीं है। यह जीने का एक तरीका है... असली ताकत दूसरों को ऊपर उठाने में है।"

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। *इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण
दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव जोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून
चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्त्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

रायपुर
रविवार 12 जुलाई 2026
आषाढ़, कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 24, अंक : 351
पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.4
न्यून. 27.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

Raज्य में सीजनल बरसात सामान्य से 21 फीसदी कम, कुल 252.4 मिमी. बारिश

राज्य में सीजनल बरसात सामान्य से 21 फीसदी कम कुल 252.4 मिमी. बारिश

प्रदेश में बारिश पर ब्रेक, उमस बढ़ी, अब 14 के बाद तय होगी कब होगी बादलों की वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

बारिश बंद होते ही उमस ने एक बार फिर लोगों को हलाकान करना शुरू कर दिया है। दिन से ज्यादा रात में गर्माहट होने की वजह से पुनः एसी का उपयोग शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि दो दिन बाद राज्य में एक बार फिर वर्षा की गतिविधि में इजाफा हो सकता है। बरसात बंद होने की वजह से सामान्य से कमी 21 फीसदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 252.4 मिमी. पानी बरसा है। अभी सक्रिय मानसून नहीं है। 14 जुलाई के बाद नया सिस्टम बनेगा, उसके बाद पता चलेगा कि बारिश होगी या नहीं, या कितनी होगी।

राज्य में जुलाई के महीने में एक दौर की बारिश हुई है, सामान्यतः माह के बीतने के दौरान कोटा पूरा करने के लिए दो से तीन ताकतवर सिस्टम बनते हैं। माना जा रहा है कि राज्य में 14 जुलाई के आसपास बरसात की गतिविधि बढ़ सकती है। बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम राज्य के लिए कितना प्रभावशाली होगा यह आने वाले समय में पता चलेगा। राज्य में पिछले चार दिन से वर्षा में कमी ▶▶|शेष पेज 5 पर

मानसून द्रोणिका मणिपुर तक

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, शाहजहांपुर, मुजफ्फरपुर और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर मणिपुर तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित है। पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास मौजूद है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम बिहार से मणिपुर तक विस्तारित है। मौसम में अगले चौबीस घंटे में बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

विशेषज्ञों की सलाह-चिंता नहीं करे किसान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. डीके चन्द्राकर ने किसानों को चिंता न करने की सलाह दी है। फसल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, नर्सरी, रोपाई एवं लेही पद्धति से बुवाई को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए समय पर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। जिन किसानों ने वर्षा के बाद धान की बुवाई या रोपाई कर ली है, उन्हें फसल की 20 से 25 दिन की अवस्था में खरपतवार नियंत्रण को प्राथमिकता देनी चाहिए।ऐसे क्षेत्रों में जहां श्रमिक उपलब्ध नहीं हैं, वहां निंदानाशकों का उपयोग कर खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है, जबकि श्रमिक उपलब्ध होने पर 25 और 40 दिन की अवस्था में निंदाई करना अधिक प्रभावी रहता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ के लिए रवाना

जम्मू। जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से 2,435 महिलाओं समेत 9,182 श्रद्धालुओं का 10वां जत्था शनिवार को दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं के इस जत्थे में 256 साधु, 46 साध्वियां और 31 बच्चे भी शामिल हैं। श्रद्धालु अनंतनाग के नुनवान-पहलगाम और गांदरबल के बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना हुए।

अमरनाथ यात्रियों को कैब में छूटी नकदी वापस मिली

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले में अमरनाथ यात्रा कर रहे तीन श्रद्धालुओं का एक बैग बरामद कर उन्हें सौंप दिया जिसमें 1.32 लाख रुपए नकद और कुछ जरूरी दस्तावेज थे। महाराष्ट्र के ये श्रद्धालु बनिहाल में यात्री शिविर में पहुंचने से पहले टैक्सी में अपनी सीट के नीचे बैग भूल गए थे। उन्हें रविवार को दक्षिण कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए आगे बढ़ना था। सूचना मिलने पर, बनिहाल के थाना प्रभारी आशिक हुसैन लोन की अगुवाई में एक टीम ने सोपोर पुलिस के साथ मिलकर टैक्सी और उसके चालक का पता लगाया।

बाइक की टक्कर से तीन की गई जान

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान साइकिल सवार पूर्ण मुंडा (47), मोटरसाइकिल चालक अमृत पातर (25) और मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे आयुष पातर (17) के रूप में हुई है, जबकि उनका दोस्त सुनील पातर (25) रांची स्थित रिम्स में उपचाराधीन है।

बस की चपेट में आने से तीन यात्रियों की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार तड़के रोडवेज बस के ट्रक से टकराने के बाद उससे उतरे तीन यात्रियों की बस की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे में परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा शनिवार तड़के करीब दो बजे उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र में कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। बस एक ट्रक से टकरा गई, जिसके बाद परिचालक और कुछ यात्री नुकसान का जायजा लेने बस से नीचे उतर गए। बस चालक ने कथित तौर पर यह जाने बिना कि यात्री और परिचालक बस के सामने खड़े हैं।

अमेरिका-ईरान में तनातनी : ट्रंप ने फिर धमकाया, कहा- एक हजार मिसाइलें तैयार

पिता के जनाजे के बाद मोजतबा का ऐलान, खून का बदला खून

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने एक बार फिर अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल की तरफ से की गई अपने पिता की हत्या का बदला लेने का संकल्प लिया है और कहा है कि खून का बदला खून है। इधर, खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी हत्या की खुली मांग के बाद ट्रंप ने ईरान को धमकी दी।

एजेंसी ▶▶| दुबई

युद्ध समाप्त करने के लिए हुआ अंतरिम समझौता क्षेत्र में बार-बार हो रहे हमलों के कारण कमजोर पड़ने के बीच शनिवार को अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे को धमकियां दीं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर बड़े मिसाइल हमले की धमकी दी। ट्रंप की इस टिप्पणी से पहले अमेरिका ने ईरान से सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने की मांग की है कि होर्मुज जल -डमरूमध्य खुला है और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले पोतों पर अब हमले नहीं किए जाएंगे। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ट्रंप की हत्या का खुले तौर पर आह्वान किए जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ टिप्पणियां कीं। ट्रंप की धमकी के बाद मोजतबा खामेनेई ने संकल्प जताया कि ईरानी उनके पिता अली खामेनेई की मौत का बदला लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह का बदला लेना 'हमारे देश की इच्छा है और इसे निश्चित रूप से पूरा किया जाना चाहिए।

तनाव के बीच परमाणु विकसित कर रहा ईरान!

नई सैटेलाइट्स तस्वीरों में बड़ा खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान अपने कुछ संदिग्ध परमाणु ठिकानों पर फिर से निर्माण कार्य शुरू कर रहा है। दरअसल, पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए 14 सूत्रीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के मुताबिक ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने का दावा किया था। ऐसे में इन इमेजिस से समझौता के उल्लंघन की संभावना बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा गतिविधि पारचिन परमाणु परिसर में देखी गई है।

नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ने जारी किया लिखित संदेश

इधर, शांति वार्ता बहाल करने का प्रयास

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच ठप पड़ी वार्ता को फिर से शुरू कराने के प्रयास के तहत ईरान और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत के दौरान 'क्षेत्र में हाल में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता' जताई।

खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम खत्म

शुक्रवार को मशहद शहर में इमाम रजा दरगाह पर अली खामेनेई की हत्या के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया गया। छह दिन तक चले अंतिम संस्कार समारोह में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। हालांकि 'सुरक्षा कारणों' से मोजतबा इससे दूर रहे। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच भी 'युद्धविराम' टूट गया है और दोनों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दी धमकी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी हत्या का खुले तौर पर आह्वान किए जाने के बाद शनिवार को ईरान को धमकी दी। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, एक हजार मिसाइलें तैयार हैं और उनका निशाना ईरान है। अगर ईरान सरकार अपनी धमकी पर अमल करती है तो इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह तबाह और नष्ट कर देगी- अल्लाह का शुक्र है! ट्रंप ने युद्ध और उसके बाद कायम अस्थिर युद्धविराम के दौरान कई बार अरबी में ईश्वर का नाम लिया है। उन्होंने ईरान की सभ्यता को नष्ट करने की धमकी भी दी है। देशव्यापी अधिकार संगठन 'काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस' ने पहले ट्रंप पर 'इस्लाम का विकृत तरीके से मजाक उड़ाने' का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की थी।

शासकीय सीट बढ़कर 1450 हुई

जेएनएम मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की 20 सीटें बढ़ीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस की 20 और सीटों को एनएमसी की एमएआरबी ने अनुमति दी है। अब यहां 250 विद्यार्थियों को प्रवेश का लाभ मिलेगा। इसके बाद राज्य में शासकीय मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या 1450 हो गई है। पांच नए कालेज की ढाई सौ सीटें अभी अनुमति के लिए वेटिंग में हैं।

एमएआरबी की ओर से शुक्रवार को सीट बढ़ाने का अनुमति पत्र जारी किया गया है। कालेज में पिछले साल 230 सीटों पर प्रवेश दिया गया था, जो बढ़कर अब 250 हो गया है। कालेज प्रबंधन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से सीट बढ़ाने का प्रस्ताव काफी समय पहले भेज दिया था। उस दौरान केवल रायपुर समेत पुरानी सीटों का रिनीवल किया गया था। शुक्रवार को जारी अनुमति पत्र के बाद यहां की क्षमता ढाई ▶▶|शेष पेज 5 पर

63 सालों में 60 से बढ़कर 250 सीट

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय वर्ष 1963 में 60 एमबीबीएस सीटों के साथ स्थापित हुआ था। समय-समय पर चिकित्सा महाविद्यालय ने अपनी प्रवेश क्षमता में वृद्धि की है। प्रारंभिक 60 सीटों से बढ़कर पहले संख्या 100 हुई। इसके बाद वर्ष 2009 में 150, वर्ष 2019 में 180, वर्ष 2023 में 230 तथा अब वर्ष 2026 में एनएमसी की नवीनतम स्वीकृति के बाद 250 सीटों तक पहुंच गई है। मेडिकल कालेज रायपुर प्रदेश में एमबीबीएस की सीटों में सबसे बड़ा शा. कालेज है।

2030 तक 35,000 करोड़ का लक्ष्य

भारत-न्यूजीलैंड डील व्यापार होगा दोगुना

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को हुई बातचीत में शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए मिलकर काम करने का संकल्प जताया। भारत और न्यूजीलैंड ने शनिवार को अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने के साथ ही 2030 तक अपने वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 35,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया। दोनों नेताओं की बैठक में 18 ठोस परिणाम सामने आए, जिनमें 10 समझौतों पर हस्ताक्षर शामिल हैं। इनमें सबसे अहम हैं-कुल मिलाकर संबंधों को बढ़ाने के लिए चार साल की रूपरेखा और तीन जरूरी समझौते, जिनका मकसद 'जल विज्ञान' के आंकड़े साझा करने को बढ़ावा देना, आपसी नौसैनिक संबंधों को आसान बनाना और हिंद-प्रशांत में समुद्री सहयोग को और बेहतर बनाना।

प्रमुख समझौते

- दोनों देशों ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया और वर्ष 2030 तक सहयोग बढ़ाने के लिए रोडमैप अपनाया।
- द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया।
- मुक्त व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने और आर्थिक सहयोग मजबूत करने पर सहमति बनी।
- नागालैंड और उत्तराखंड में कीवी उत्पादन के लिए दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का फैसला हुआ।
- रक्षा सहयोग बढ़ाने और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में मिलकर काम करने पर समझौता हुआ।
- भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड नौसेना के बीच लॉजिस्टिक सपोर्ट और सहयोग पर सहमति बनी
- भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

द्विपक्षीय व्यापार को करेंगे दोगुना

दोनों प्रधानमंत्रियों ने 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर लगभग 35,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमति जताई। फिलहाल, भारत और न्यूजीलैंड के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा लगभग 18,000 करोड़ रुपए है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास हमें स्वाभाविक साझेदार बनाता है। इसके अलावा, दो समुद्री राष्ट्रों के तौर पर, हमारा करीबी सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र को नयी मजबूती देता है और हमारे रिश्ते शांति के लक्ष्यों को हासिल करने में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं।

मंदिर की बावड़ी में गिरे दो मासूमों की मौत

धरसींवा। राजधानी रायपुर से लगे धरसींवा की ऐतिहासिक नगरी कुंवरगढ़ के प्राचीन और आस्था के केंद्र चतुर्भुजी मंदिर परिसर में शनिवार को मंदिर परिसर में बनी सदियों पुरानी गहरी बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में सात साल की एक बच्ची और चार साल का एक मासूम बालक शामिल है। दोनों बच्चे कूरा गांव के थे। खेलते हुए बावड़ी में जा गिरे, उनका शव निकाल लिया गया है। इस हादसे के बाद से पूरे कुंवरगढ़ गांव में मातम छाया हुआ है और पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

66 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में भेजे 626.25 करोड़ रुपए

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626.25 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की माताओं-बहनों ▶▶|शेष पेज 5 पर

महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 'लखपति दीदी' जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी महिलाओं की आय बढ़ाने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शत-प्रतिशत पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से बस्तर संभाग में इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए।

बिलखती-चीखती नन्हीं बेटी ने देखा मां की मौत का मंजर

मासूम के सामने मां को हाथी ने सूंड से पटका, फिर पैर से कुचला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

एक मासूम बच्ची के सामने उसकी मां को पहले हाथी ने सूंढ़ से पटका और पैर से कुचल दिया। इस घटना में वह गंभीर रुप से घायल हो गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना में शौच के लिए बाहर गए एक ग्रामीण को हाथी ने पटककर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। आक्रोशित हाथी ने रेस्क्यू के लिए पहुंचे वन विभाग के वाहन को भी गुस्से में पलटने की कोशिश की। इसका वीडियो ग्रामीणों ने छत सें बनाया। वन अमला लगातार प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को सतर्क ▶▶|शेष पेज 5 पर

हाथियों की गतिविधियों की कर रहे निगरानी

बीते 24 घंटों के भीतर हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत की खबर से ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि बीती रात उक्त दंतैल हाथी ने काफी गांव में काफी उत्पात मचाया है। मुख्य बात यह है कि इस क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथियों के दल से अलग हुए दंतैल हाथी गांव में लगातार दाखिल हो रहे हैं और फसल सहित जान माल का नुकसान कर रहे हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

एसपी ट्रांसफर कंप्लीट नहीं!

सरकार ने एक पुलिस रेंज के आईजी के साथ 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को बदल दिया। मगर अभी भी ट्रांसफर कंप्लीट नहीं हुआ है। बस्तर, बिलासपुर, कोरबा जैसे जिलों के एसपी को इस लिस्ट में शामिल नहीं किया गया। जबकि, इन तीनों कप्तानों को ढाई साल से ज्यादा हो गया है। बताते हैं, बस्तर के एसपी शलभ सिन्हा को एक बड़े जिले में पोस्ट करना था, मगर वहां के आईजी बद्री मीणा अभी-अभी ज्वाइन किए हैं, इसलिए आईजी के साथ एसपी बदलने का सरकार ने रिस्क नहीं लिया। इस चक्कर में बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग का मामला लटक गया। हालांकि, दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल को अभी साल भर ही हुआ है मगर रजनेश सिंह को दुर्ग भेजना है, इसलिए विजय अग्रवाल बिलासपुर या कोरबा जाएंगे। चर्चा ये भी है कि कोरबा एसपी बस्तर जाएंगे और वहां से शलभ बिलासपुर या कोरबा आएं। कुल मिलाकर अगस्त तक एसपी की एक लिस्ट और आएगी, जिसमें कम-से-कम इन तीन जिलों के एसपी बदलेंगे हैं।

महिला कप्तानः एक इन, एक आउट

छत्तीसगढ़ के 33 में एकमात्र महिला पुलिस अधीक्षक रहीं भावना गुप्ता तीन महीने की लीव से लौटकर सोमवार को बलौदा बाजार में ज्वाइन करने वाली थीं कि इससे दो दिन पहले उन्हें हटा दिया गया। हालांकि, लोगों को यह नहीं समझ में आ रहा कि तीन महीने अवकाश में रहने के दौरान एडिशनल एसपी से काम चलाया गया और भावना के छुट्टी से लौटते ही आखिर क्या हुआ कि उन्हें हटा दिया गया...वो भी ज्वाइन करने से जस्ट पहले। खैर, उनकी जगह एक दूसरी भावना को सरकार ने एसपी बनाया है। भावना पाण्डेय धमतरी की एसपी होंगी। इसके लिए सूरज परिहार को साल भर में ही खो कर दिया गया। यद्यपि, भावना को पोलिसिंग की अच्छी समझ है। सीएसपी, एएसपी रहने के दौरान उनका कामकाज ठीक रहा था। मगर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने उन्होंने लंबे समय से खुद को भिलाई में समेट लिया था...मगर अब वे फ्री होकर फिर से फील्ड में आ गई हैं। उनके हसबैंड विजय पाण्डेय जांजगीर में एसपी हैं। छत्तीसगढ़ में ये पहली बार होगा, जब आईपीएस दंपती एक साथ एसपी होंगी।

पीएचक्यू का धर्मसंकट

एएसपी और डीएसपी के ट्रांसफर को लेकर पीएचक्यू की स्थिति धर्मसंकट जैसी हो गई है। दरअसल, सुशासन तिहार के बाद से राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की लिस्ट निकालने कवायद चल रही है। पीएचक्यू को प्रस्ताव बनाने जो नाम मिले थे, उसे नोटशीट की शक्ल में उसने आगे बढ़ाया मगर गृह विभाग ने उसे अनुमोदन करने की बजाए फिर से पीएचक्यू को लौटा दिया। बताते हैं, होम ने लिस्ट में खुद से काटा-पिटी की बजाए पीएचक्यू के नाम में पर्ची फाड़ते हुए कहा कि हमारे इन नामों को लिस्ट में जोड़ा जाए। अब पीएचक्यू के अधिकारियों का बढ़ गया टेंशन। अफसरों के एक तरफ कुंआ था तो दूसरी तरफ खाई। गृह विभाग से मिले नाम जोड़ते तो उनकी शामत आ जाती। ऐसे में, पीएचक्यू ने वही किया, जो कोई भी दिमागदार आदमी करता। मगर इस चक्कर में लिस्ट अटक गई है।

पुलिस कमिश्नरेट को झटका

एसपी की लिस्ट का एक महत्वपूर्ण प्वाइंट यह है कि इसमें डायरेक्ट आईपीएस को बड़े जिले के लिए तैयार करने का खास प्रयास नहीं दिखा। जाहिर है, कोरबा और बस्तर को छोड़ आज भी बड़े जिले प्रमोटी आईपीएस ही संभाल रहे हैं। ठीक है...सूबे की पूरी पुलिस डिरेल्ड हो गई है तो सिर्फ उसका रोना रोने से काम नहीं चलेगा। उसे पटरी पर लाने का दायित्व गृह विभाग और पीएचक्यू का है। आखिर विजय अग्रवाल, रजनेश सिंह और शशिमोहन सिंह का विकल्प ढूंढना पड़ेगा न।

खैर, ट्रांसफर में सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट रायपुर पुलिस कमिश्नर को बड़ा झटका लगता दिखाई पड़ रहा है। रायपुर के तीन डीसीपी को हटाकर सरकार ने एसपी बना दिया मगर उनकी जगह पोस्ट किया सिर्फ एक डीसीपी। याने दो खाली। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार अब दो में सीनियर एडिशनल एसपी को डीसीपी पोस्ट कर दे। यदि ऐसा हुआ तो पुलिस कमिश्नर सिस्टम डिमरलाइज होगा। क्योंकि, देश के किसी भी कमिश्नरेट में एसपी लेवल के आईपीएस अफसर ही डीसीपी होते हैं। एक तरफ गृह मंत्री विजय शर्मा बिलासपुर में पुलिस कमिश्नर की बात कर रहे, दूसरी ओर जो पहले से कमिश्नरेट है, वही डगमगाता दिख रहा...।

बीजेपी सरकार में कांग्रेस की पॉलिसी?

आज से डेढ़-एक दशक पहले एक फॉरेस्ट मिनिस्टर ने सबसे पहले फॉरेस्ट अफसरों से पेटी लेकर पोस्टिंग का काम शुरू किया था। मगर अब आलम यह हो गया है कि इस पेटी वायरस से कोई विभाग अछूता नहीं रह गया है। बल्कि अब तो बोली लग रही है। मंत्रियों के यहां से फोन जा रहे, फलां जगह खाली है, आप कितना दे सकते हो। बिचौलिये भी बीच में गुगली फेंक दे रहे, उसकी अपनी अलग कहानी है। इस बोली और नीलामी के खेल में ट्रांसफर महीनों खींच जा रहे हैं। मसलन, एक डीएसपी ने मैदानी इलाके के लिए जुगाड़ जमाया था। उसका नाम तय भी हो गया था। मगर किसी बिचौलिये ने खेल कर दिया। फोन कर बताया कि आपका सरगुजा किया जा रहा। डीएसपी भागते-भागते 25 पेटी लेकर पहुंचे तो फिर जाकर उन्हें गारंटी मिली। यही हाल हेल्थ में सीएमओ, सिविल सर्जन का है। पोस्टिंग के लिए 30 से 35 पेटी चाहिए, फिर समय-समय पर रिचार्ज का कंडिशन भी। स्कूल शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा अधिकारी के लिए 10 से 25 पेटी चल रहा। छोटे जिला है तो कम-से-कम 10 पेटी चाहिए ही। पिछले दिनों सूरजपुर में डीईओ का पद खाली हुआ तो वहां सरगुजा के नेताओं में प्रतिस्पर्धा छिड़ गई कि कौन बाजी मारता है...विधायक, मंत्री से लेकर सांसद और पार्टी पदाधिकारी तक कूद पड़े। क्योंकि, सवाल 20 पेटी का था। बाकी विभागों में भी कमोबेश यही स्थिति है...सभी ने ट्रांसफर का काउंटर खोल रखा है। ऐसा नहीं कि पूरा खेल मंत्री स्तर पर ही हो रहा। इसमें पार्टी का भी पूरा योगदान है। दरअसल, पेटी के जरिये पोस्टिंग का क्रेडिट पिछली सरकार के मंत्रियों को जाता है। इस सरकार के मंत्रियों ने दिल दिखाते हुए उस ट्रांसफर पॉलिसी को एडॉप्ट कर लिया। मगर बीजेपी के रणनीतिकारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके बाद कांग्रेस की विदाई भी हो गई थी।

सचिवों का ट्रांसफर

बात सरकार के ढाई साल होने पर अफसरशाही की कसावट की, तो कलेक्टरों की लिस्ट के साथ सचिवों की भी एक छोटी लिस्ट निकल सकती है। हालांकि, 6 मई को 42 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर हुए थे, उनमें कई विभागों के सिकेट्री बदल गए थे। मंत्रालय में लंबे कार्यकाल वाले सिकेट्री में इस समय सिर्फ एक आईएएस बचे हैं। एक ही विभाग में उन्हें ढाई साल हो गया है। अलबत्ता, सचिवों के टेन्योर का ढाई साल कोई लिमिट नहीं है। मनोज पिंगुआ गृह विभाग में करीब तीन साल रहे। मगर एक ही विभाग में लंबा समय होने पर अफसर उकता जाते हैं...उनके पास नया करने के लिए कुछ बचता नहीं। इसलिए आमतौर पर दो-एक साल में सचिवों के विभाग बदल दिए जाते हैं।

पोस्टिंग का संयोग

हालांकि, अफसरशाही को कभी जाति या वर्ग के चश्मे से नहीं देखना चाहिए, उनके काम की बात होनी चाहिए मगर पोस्टिंग में कोई रोचक संयोग बनेंगे, तो चर्चाएं तो होंगी ही। धमतरी जिले में भावना पाण्डेय एसपी अपाइंट हुई हैं। वहां पहले से शैलेंद्र पाण्डेय एडिशनल एसपी और अभिषेक चतुर्वेदी सीएसपी हैं। कलेक्टर अविनाश मिश्रा वहां पहले से हैं। याने संयोग से सभी ब्राम्हण। उधर, राजनांदगांव में अजय यादव को आईजी पोस्ट किया गया है। वहां पहले से मधुसुदन यादव महापौर हैं और गजेंद्र यादव प्रभारी मंत्री। फिर कलेक्टर भी जीतेंद्र यादव। अब अजय यादव न जाने किसके कोटे से राजनांदगांव पहुंचे हैं, मगर ये सही है कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह के विस क्षेत्र की टीम अब काफी मजबूत हो गई है। आईजी, कलेक्टर, एसपी, जिपं सीईओ सभी को चुनकर लाया गया है।

च्वाइस पोस्टिंग?

तरकश के पिछले स्तंभ में प्रकाशित खबर के बाद राज्य सरकार ने 33 में से एक तिहाई जिलों के जिला पंचायत सीईओ को बदल दिया। तरकश में खासतौर से दंतेवाड़ा के सीईओ जयंत नाहटा के लंबे कार्यकाल का जिक्र किया गया था, उन्हें वहां से हटा दिया गया है। उनके अलावे और लंबे समय से जमे नौ जिलों के सीईओ और बदले गए हैं। कुछ सीईओ को कलेक्टरों के च्वाइस से पोस्टिंग मिली है। कोरिया कलेक्टर का ट्रांसफर बलरामपुर हुआ तो उनके बाद कोरिया के जिपं सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी भी बलरामपुर निकल लिए। खैर, बलरामपुर तो अपवाद है, आमतौर पर बड़े जिले के कलेक्टर चाहते हैं कि जिला पंचायत सीईओ या निगम कमिश्नर में से कम-से-कम एक डायरेक्ट आईएएस रहे, ताकि उनका वर्कलोड थोड़ा कम रहे। मसलन, अगर निगम कमिश्नर प्रमोटी या राज्य प्रशासनिक सेवा के हैं तो कोशिश रहती है, जिला पंचायत सीईओ कम-से-कम डायरेक्ट वाले रहें, और पंचायत में प्रमोटी अफसर हैं, तो निगम में डायरेक्ट अफसर रहें। इस लिस्ट में इसकी झलक दिखी है।

कलेक्टरों की लिस्ट

बीते 6 मई को सात कलेक्टरों का ट्रांसफर हुआ था, उसके बाद ब्यूरोक्रेसी की गलियारों में फिर एक छोटी लिस्ट आने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, ये लिस्ट ज्यादा बड़ी नहीं होगी, अधिक-से-अधिक तीन-से-चार जिले प्रभावित हो सकते हैं। अगर कोई बड़ा विघ्न-बाधा नहीं आया तो विधानसभा के मानसून सत्र के बाद कलेक्टरों का आदेश जारी हो सकता है।

अब डीएफओ का नंबर

आईएएस, राप्रसे और आईपीएस के बाद अब डीएफओ की लिस्ट पर लोगों की नजरें टिक गई है। डीएफओ में पिछले करीब डेढ़ साल से कोई बड़ी लिस्ट नहीं निकली है। अब पीसीसीएफ भी चेंज हो गए हैं। अरुण पाण्डेय भी चाहेंगे कि रिजल्ट देने के लिए कुछ अपने हिसाब से डीएफओ पोस्ट करवाएं। हालांकि, फाईनल क्लियरेंस वन मंत्री और मुख्यमंत्री को देना है। बहरहाल, ऐसा समझा जाता है कि विधानसभा के मानसून सत्र के बाद करीब दर्जन भर डिविजन के डीएफओ चेंज हो जाएं।

राप्रसे अफसरों का इस्तेमाल

अभी हाल ही में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को उच्च शिक्षा और हेल्थ में भेजा गया। इसके बाद वन और परिवहन मंत्री केदार कश्यप के हायर एजुकेशन में पोस्ट किया गया है। हालांकि, विभाग वाले इससे प्रसन्न नहीं होंगे मगर इसमें कोई किंतु-परन्तु नहीं कि प्रशासनिक कार्यों में प्रशासनिक अफसरों का इस्तेमाल करना चाहिए। वैसे भी सूबे में राप्रसे अधिकारियों की अच्छी खासी फौज खड़ी हो गई है। करीब 500 से अधिक राप्रसे अफसर हो गए हैं। कैबिनेट ने स्कूल शिक्षा विभाग संचालनालय में भी दो-तीन पद प्रशासनिक अधिकारियों के लिए क्रियेट किया है। मगर अभी तक पोस्टिंग नहीं हुई है। अलबत्ता, नजर उन पर भी रखनी होगी, क्योंकि आरोप है कि राजस्व अधिकारी जिन विभागों में जाते हैं, वहां करप्शन का लेवल और हाई हो जाता है।

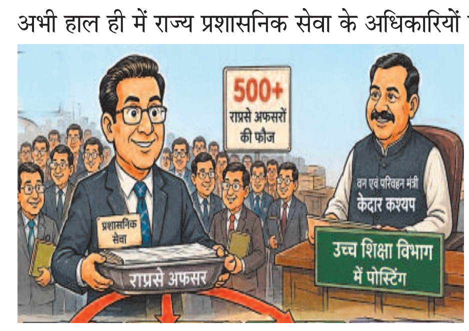

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ में जिस तरह नए कलेक्टरों को मौका देकर बड़े जिलों के लिए तैयार किया जा रहा है, वैसा एसपी में क्यों नहीं किया जा रहा?
2. आईपीएस पवनदेव लगातार साढ़े छह साल से पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में पोस्टेड हैं। क्या सिस्टम उन्हें पोस्टिंग कर भूल गया है या कोई और बात है?

बिना एनओसी असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति, उच्च शिक्षा सचिव और पीएससी को जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति में की गई गड़बड़ी पर सख्ती दिखाई है। राजनीति शास्त्र के उम्मीदवार की याचिका पर हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा सचिव और पीएससी को जांच कर उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 120 दिन का समय दिया गया है। याचिका के अनुसार बिना एनओसी के राजनीति शास्त्र के एक असिस्टेंट प्रोफेसर को नियुक्ति दे दी गई है। रायगढ़ जिले के अली हसन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2019 में सहायक प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र) के 59 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। वर्ष 2021 में जारी अंतिम चयन परिणाम में रायगढ़ के अली हसन को अनारक्षित वर्ग की प्रतीक्षा सूची में पहला स्थान मिला। याचिकाकर्ता ने बताया कि, चयन सूची का बारीकी से अध्ययन करने पर हसन को पता चला कि मुख्य सूची में चयनित रंजन तिवारी पहले से ही हरियाणा सरकार के उच्चतर शिक्षा निदेशालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। जिस पर याचिकाकर्ता ने सूचना के अधिकार के तहत हरियाणा सरकार से जानकारी मांगी। इसमें पता चला कि रंजन तिवारी 13 फरवरी 2020 से हरियाणा के महेंद्रगढ़ शासकीय महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने सीजीपीएससी की परीक्षा में शामिल होने या कार्यभार ग्रहण करने के लिए अपने नियोक्ता से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं लिया था। इसके बावजूद, 29 अप्रैल 2022 को रंजन तिवारी की नियुक्ति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा, जिला बलौदाबाजार में कर दी गई।

120 दिन में जांच कर फैसला लेने कहा गया

अनापत्ति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य

जस्टिस राकेश मोहन पांडे की सिंगल बेंच में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट ने तर्क दिया कि सरकारी या अर्ध-सरकारी विभागों में कार्यरत अभ्यर्थियों के लिए कार्यभार ग्रहण करते समय नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। नियमों के तहत यदि किसी अभ्यर्थी के प्रमाण पत्र या जानकारियां गलत पाई जाती हैं, तो उन्हें बिना पूर्व सूचना के सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है और आईपीसी के के तहत कार्रवाई हो सकती है। अली हसन द्वारा 18 मई 2022 को भाटापारा कॉलेज में लगाई गई सूचना के अधिकार के जवाब में प्राचार्य ने स्वीकार किया था कि रंजन तिवारी ने 23 मई 2022 को कार्यभार तो ग्रहण कर लिया, लेकिन कार्यालय में कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया।

ट्रक ने बाइक को लिया चपेट में, चालक की मौत

जगदलपुर। तेज रफ्तार ट्रक चालक की लापरवाही का खामियाजा बाईक चालक को उठाना पड़ा। ट्रक की टक्कर से दूसरों की जान बचाने वाले बाईक सवार एम्बुलेस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए रवाना किया। हादसा बस्तर थाना क्षेत्र के एनएच 30 स्थित देउरगांव के करीब हुआ जहां ड्यूटी पर आ रहे एम्बुलेस चालक हादसे का शिकार हो गया। घटनास्थल में हादसे के बाद जाम लग गया।

मैनपाट में भीषण हादसा

दो बाइक में टक्कर तीन लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सेदम

मैनपाट के कमलेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत नर्मदापुर-बिजलहवा मार्ग में शुक्रवार रात करीब 8 बजे तेज रफ्तार दो बाइक सवार के बीच आमने सामने टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल तीसरे युवक ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर चोरकीडीह निवासी अर्जुन विश्वकर्मा (20 वर्ष) अपने ससुराल बरीमा जा रहा था। जैसे ही बाइक सवार नर्मदापुर से बिजलहवा मुख्य मार्ग पर पहुंचा तभी सामने से आ रहे वंदना निवासी गुड्डू माझी, आ.धनाराम (18 वर्ष) जो अपने साथी सीतापुर अंतर्गत ग्राम कोट मलसायपारा निवासी विफन राम आ. कुतल साय (32 वर्ष) के साथ वंदना जा रहा थे तभी दोनों बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई। दोनों बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्जुन विश्वकर्मा व गुड्डू माझी की मौके पर ही मौत हो गया था जबकि विफन राम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने अर्जुन व गुड्डू को मृत घोषित कर दिया वहीं गंभीर रूप से घायल विफन राम को रेफर कर दिया। घायल को तत्काल एंबुलेंस ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए।

घटनास्थल पर पहुंचे अधेड़ की मौत

इधर, हादसे की जानकारी होने पर घटना स्थल देखने गए बिजलहवा निवासी रामायण चौधरी 50 वर्ष घर वापसी के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए। घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। इस सड़क हादसे के तीनों युवकों के परिवारों में शोक का माहौल है। फिलहाल कमलेश्वर पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

एक साल में तीन बार ट्रांसफर शासन को हाईकोर्ट का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

एक साल में तीन बार किए गए तबादले के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने शासन को नोटिस जारी किया है। याचिका के मुताबिक याचिकाकर्ता जय गोविंद वर्तमान में जनपद पंचायत सीतापुर, जिला सरगुजा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर कार्यरत है। याचिका में कहा गया है कि उन्हें जनपद पंचायत मनोरा, जिला जशपुर में स्थानांतरित किया गया है। साथ ही कहा गया है कि याचिकाकर्ता को एक वर्ष के अल्पकाल में तीन बार स्थानांतरण का सामना करना पड़ रहा है और वह भी बिना किसी प्रशासनिक आवश्यकता के। कोर्ट को यह भी बताया गया कि 18 जून 2025 को अंबिकापुर से प्रतापपुर और फिर 18 सितंबर 2025 को प्रतापपुर से सीतापुर स्थानांतरण के मात्र नौ महीने बाद पुनः स्थानांतरण किया गया है। यह आदेश राज्य स्थानांतरण नीति के विपरीत है।

याचिकाकर्ता की ओर से मामले में एडवोकेट उमेश पांडे ने पैरवी की। कोर्ट ने शासन को जवाब के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया है।

पेड़ पर फंदे से लटकी मिली युवती, जांच शुरू

कांकेर। रावघाट थाना क्षेत्र के स्कूलपारा रावघाट में 20 वर्षीय सरिता पोटाई ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार युवती का शव गांव के पास वर्चे के खेत की ओर स्थित एक महुआ पेड़ पर फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव का पंचनामा कर मर्ग कायम किया।

‘द साइकिल ऑफ लव’ का ट्रेलर जारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

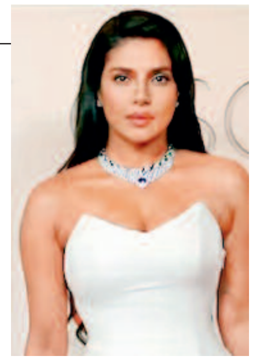

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म ‘द साइकिल ऑफ लव’ का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉनआइन्सीडेल ने किया है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म ‘द साइकिल ऑफ लव’ का ट्रेलर जारी किया है। वह फिल्म से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ी हैं, जबकि इसका निर्देशन ऑरलैंडो वॉन आइन्सीडेल ने किया है। इसकी कहानी 1970 के दशक में घटित दिल्ली के रहने वाले 23 वर्षीय कलाकार पीके महानंदिया पर आधारित है, जो सच्चे प्यार की तलाश में भारत से स्वीडन तक 6,000 मील की यात्रा पर साइकिल से निकले थे। ये सेकंड-हैंड साइकिल उन्होंने अपनी पेंटिंग्स बेचकर खरीदी थी। प्रियंका ने लिखा, ‘जब मैंने पहली बार उस यात्रा की कहानी सुनी पीके महालंदिया प्यार के लिए महाद्वीपों की साइकिल यात्रा की कहानी सुनकर मैं दंग रह गई। ये उन दुर्लभ, अविश्वसनीय सच्ची कहानियों में से एक है जो लंबे समय तक आपके मन में रहती है।’ उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए लिखा, ‘ये फिल्म आशा और अपने दिल की बात मानने के साहस की एक गहरी मानवीय कहानी है। मुझे आपके साथ ट्रेलर साझा करके खुशी हो रही है।’ अभिनेत्री ने आगे लिखा, ‘फिल्म 28 अगस्त को अमेरिका और 18 सितंबर को ब्रिटेन में रिलीज होगी। जल्द अन्य अंतरराष्ट्रीय रिलीज तारीखों की घोषणा होगी। ऐसे समय में जब सच्चाई और आशावाद पर आधारित कहानियां विशेष रूप से सार्थक लगती हैं, यह फिल्म हमें वास्तविकता से दूर ले जाने, जुड़ने और सिनेमा से प्रेम करने के आनंद को फिर से खोजने का अवसर देती है।’

आज ज़ी सिनेमा पर ‘मावीरन’ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई। ज़ी सिनेमा पर अभिनेता शिवकार्तिकेयन अभिनीत सुपरहिट एक्शन-फैंटेसी फिल्म मावीरन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज 12 जुलाई को रात आठ बजे होगा। निर्माताओं ने बताया कि निर्देशक मैडोना अश्विन की फिल्म मावीरन एक्शन, कॉमेडी, फैंटेसी और भावनाओं का अनूठा संगम है। फिल्म की कहानी सत्या नामक एक कार्टूनिस्ट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टकराव से बचने वाला साधारण

युवक है। एक हादसे के बाद उसे एक रहस्यमयी आवाज़ सुनाई देने लगती है, जो उसके जीवन की दिशा बदल देती है। इसके बाद वह अपने भीतर छिपे साहस को पहचानते हुए एक भ्रष्ट नेता के खिलाफ बेबस लोगों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ता है। फिल्म में शिवकार्तिकेयन के साथ अदिति शंकर, सरिता, मिस्किन, योगी बाबू और सुनील अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी. अ.- 07072026-274225
CG-CG-E-07072026-274225
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3440] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 1, 2026/आषाढ 10, 1948
No. 3440] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 1, 2026/ASHADHA 10, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 25 जून, 2026
रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क के अंतर्गत अधिसूचना

का.आ. 3575(अ)— रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उदेश्य के लिऐ संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना **“खरसिया नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)”** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निष्पदान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलौदा बाजार में आवश्यक है, एतद्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त, अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधिन, पूर्वोत्क प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात **अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बलौदा बाजार, जिला-बलौदा बाजार-भाटापारा छत्तीसगढ,** को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेगें तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधी व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात, जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची
“खरसिया नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)”
परियोजना के निर्माण के लिए, बलौदा बाजार जिले के अंतर्गत, अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण-

जिला का नाम:- बलौदा बाजार - भाटापारा **(राज्य - छत्तीसगढ़)**

क्रमांक संख्या	तहसील	गांव का नाम	खसरा/ प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	लवन	ताराशिव	1493	0.032
2			1059	0.0120
3			1753/3	0.008
4			1753/4	0.008
5			1048/1	0.049
6			1048/2	0.029
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.138**
7	लवन	अमलकुंडा	960/4	0.036
8			961/1	0.020
9			891/1	0.024
10			42/2	0.202
11			960/2	0.048
12			960/6	0.040
13			1012	0.093
14			129/34	0.016
15			129/35	0.24
16			129/22	0.032
17			129/23	0.136
18			129/24	0.24
19			129/25	0.148
20			129/73	0.068
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**1.343**
21	लवन	मिश्राइंनडीह	22/2	0.016
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.016**
22	लवन	भदरा	483/9	0.06
23			514/1	0.004
24			824/5	0.068
25			793/2	0.016
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.148**
26	लवन	सुढ़ेली	425/2	0.024
27			195/3	0.008
28			138/1	0.010
29			138/2	0.020
30			138/3	0.008
31			37/2	0.004
32			37/4	0.006
33			67/2	0.004
34			36/2	0.020
35			32/5	0.032
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.136**
36	लवन	बिटकुली	1/28	0.263
37			1/24	0.040
38			35/10	0.010
39			2/5	0.243
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.556**
40	लवन	पनगांव	1852/5	0.012
41			784/2	0.024
42			960/3	0.004
43	लवन	पनगांव	990	0.178
44			1050,1051,1052	0.073
45			505	0.097
			कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	**0.388**
			सम्पूर्ण क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = हेक्टेयर	**2.725**

[फा.सं. डीसीई/सी/आर आई जी / 5वीं एवं 6 वीं / केएचएस-पीएमएस/20क/9]

मुदित भटनागर
सीपीआर/10/पीएच/281 **मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)**

रामायण का ट्रेलर 24 को होगा रिलीज

मुंबई। निर्माता नमित मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणम का ट्रेलर 24 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म का ट्रेलर वैश्विक स्तर पर एक साथ प्रीमियर होगा। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

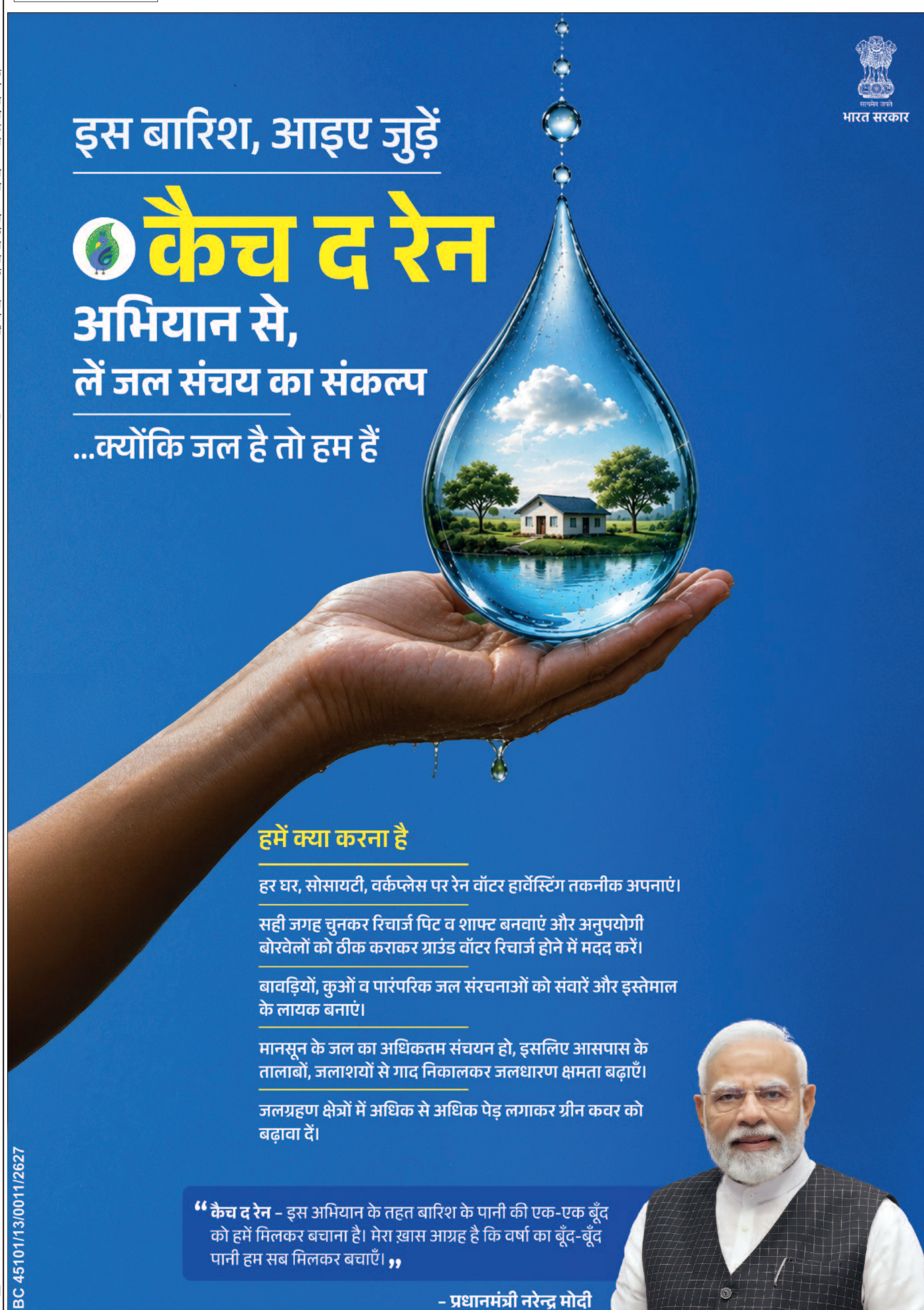

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। *

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा।
निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट ना जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

लाइफस्टाइल
वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। *

कविता
कुलदीप सिंह भाटी

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

व्यंग्य / पूनम पांडे

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। *

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

जैकेट के शेष

उफनती नदियां कई ....

किया जा रहा है, जो अब तक पूर्ण नहीं हो सका है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2027 के बारिश से पूर्व निर्माण कार्य होने की संभावना है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

सरकार के तरफ टकटकी लगाए देख रहे ग्रामीण : लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के 15 गांव के 11443 ग्रामीणों की जिंदगी बारिश के दौरान नाव के सहारे ही चल रही है। आज भी क्षेत्र के गांव के लोग एक पुल की आस लगाए सरकार के तरफ टकटकी लगाए देख रहे हैं। धर्माबेड़ा, बिंता, सतसपुर, भेजा, ककनार, पालम, कुदूर, चंदेला, इमलीधर आदि गांव के ग्रामीणों ने बताया कि इन्द्रावती नदी में पुल बनने से राहत मिलेगी।

बीमार ग्रामीणों को होती है परेशानी : भेजा, इमलीधर निवासी पांडू एवं बुधराम ने बताया कि गांव में लोगों ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए नाव से जाना-आना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ता नहीं पहुंचते हैं, जिससे बीमार ग्रामीणों परेशानी बढ़ जाती है।

कलेक्टर को दिए निर्देश: बस्तर के कमिश्नर डोमन सिंह ने इस संबंध में बताया कि कलेक्टर की बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि बारिश में जो गांव टापू बन जाते है, उनके लिए राशन, स्वास्थ्य आदि की समस्या के निराकरण का प्रयास करें।

20 साल में नहीं ....

आज तक किसी बड़े पुलिया का निर्माण नहीं हुआ है। इसलिए बरसात के दिनों में यह अंचल टापू बन जाता है। ज्ञात हो कि रसेला से बिलाक मुख्यालय छुरा की दूरी 17 किलोमीटर है, सड़क और पुल-पुलिया की हालत इतनी जर्जर है कि आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। अनहोनी की आशंका से लोगों एवं राहगीरों में भय बना रहता है, पिछले दिनों हुई हल्की बारिश में ही जगह-जगह गड्ढों में पानी भर गया, इस मार्ग को नया बनाने के लिए लंबे समय से से मांग की जा रही है लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। छुरा से लेकर रसेला तक सभी पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हैं

कई बार की शिकायत : रसेला के पास बनी पुलिया करीब 20 साल पहले क्षतिग्रस्त हुई थी। जिसे आज तक नहीं बनाया गया। फिर यह पुलिया काफी नीचे होने के कारण ज्यादा बारिश होने पर बरसात का पानी 3 फीट ऊपर बहते रहता है, जिससे 32 गांव बरसात के दिनों में टापू बन जाते हैं, बरसात के दिनों में अगर कोई बीमार पड जाये और 108 की जरूरत पड़ती है तो 108 रसेला नहीं पहुंच सकती। आदिवासी बाहुल्य रसेला अंचल के कई गांवों तक पहाड़ी रास्तों के कारण पहुंचना मुश्किल होता है। गांव के लोग जैसे-तैसे पहाड़ से नीचे आ जाएं भी तो पुलिया रास्ता बंद कर देता है। इस अंचल के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कई बार इस समस्या की शिकायत की गई , लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

चार साल बाद भी ....

पुल पर पानी आने से छात्र-छात्राएं और शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच पाते, वहीं किसानों का खेतों तक आवागमन भी बाधित हो जाता है। चार किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए लोगों को डोंडी-लोहारा होकर करीब 30 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है।, छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2022-23 के बजट में जुझारा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 2.11 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की थी। हालांकि स्वीकृति मिलने के 43 माह बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। **पुल निर्माण सुरू करने की मांग** : ग्राम पंचायत चिपरा के सरपंच यश राणा सहित ग्रामीणों ने शासन और लोक निर्माण विभाग से बरसात को देखते हुए जुझारा नाला पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

चार दशकों से ट्यूब ....

पानी भरने के कारण गांव दो हिस्सों लवईडीह खास एवं लवईडीह बरपारा में विभक्त हो गया है प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल का संचालन लवईडीह खास में होने के कारण बरपारा के बच्चों को गहरी नदी को ट्यूब के सहारे पार कर भारी खतरे के बीच स्कूल आना पड़ता है। दूसरी तरफ ग्रामीणों की अधिकांश खेती बरपारा में होने के कारण लोगों को कई बार नदी पार कर बरपारा जाना पड़ता है। बड़े क्षेत्र में 8 महीने तक पानी भरे रहने के कारण ग्रामीणों को जिला मुख्यालय अम्बिकापुर पहुंचने के लिए 45 किमी का लम्बा सफर करना पड़ता है। नदी पार करने के लिए ग्रामीण दशकों से ट्यूब का उपयोग कर रहे हैं। पांच साल पूर्व गांव में पुल बनाने की मांग उठने पर प्रशासन ने ग्रामीणों को एक नाव उपलब्ध करा दिया है। नाव मिलने के बाद ग्रामीणों को नदी पार करने में कुछ सुविधा मिली है लेकिन अभी भी ट्यूब से मुक्ति नहीं मिल पाई है। आवश्यक होने पर स्कूल बच्चे व ग्रामीण अभी भी खतरे के बीच ट्यूब के भरोसे नदी पार कर रहे हैं।

हो चुकी है कई मौतें : खतरे के बीच नदी पार करने के दौरान नदी में डूबने से कई ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। इस तरह की दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने दोनों छोर पर रस्सी बांध दी थी तथा रस्सी के सहारे ट्यूब पर बैठकर नदी पार करते थे। नाव मिलने के बाद दुर्घटनाओं में कमी आई है लेकिन जिला मुख्यालय की दूरी में कमी नहीं आ सकी है।

विधायक ने किया था जल सत्याग्रह : ग्राम लवईडीह विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के अंतर्गत है। ग्रामीणों ने तत्कालीन विधायक चिंतामणि महाराज से नदी पर पुल बनाने की मांग की तो उन्होंने ग्रामीणों के साथ घंटों नदी में खड़े रहकर जल सत्याग्रह किया था। तत्कालीन विधायक के जल सत्याग्रह के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। नाराज ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की थी। प्रशासन द्वारा मान-मनव्वल करने के बाद अंतिम समय में ग्रामीण मतदान के लिए राजी हुए थे। तब अधिकारियों ने ग्रामीणों की मांग पूरी करने का आश्वासन दिया था। तत्कालीन लुण्ड्रा विधायक चिंतामणि महाराज अब सरगुजा के सांसद है इसके बावजूद अभी तक ग्राम लवईडीह में घुनघुट्टा नदी पर पुल बनाने की दिशा में कोई पहल नहीं हो सकी है।

की जाएगी पहल : किसी ग्रामीण ने हाल ही में मुझे नदी पार करने का वीडियो भेजकर इसका स्मरण कराया है। लवईडीह में पुल निर्माण के लिए पहल की जाएगी। - चिंतामणि महाराज, सांसद, सरगुजा

वियतनाम में नौका पलटी 15 भारतीयों ...

ने अपने बिजनेस सहयोगियों के लिए यह विदेश यात्रा प्रायोजित की थी। हनोई में भारतीय दूतावास के अनुसार, वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास नाव पलटने से तमिलनाडु के दस लोगों और आंध्र प्रदेश व केरल के क्रमशः तीन और दो लोगों की मौत हो गई। दक्षिणी राज्यों की सरकारों ने कहा कि वे शव को जल्द से जल्द अपने-अपने राज्यों में लाने और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने घटना पर शोक व्यक्त किया। नाव में कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें 32 भारतीय पर्यटक और स्थानीय चालक दल के चार सदस्य शामिल थे। इक्कीस लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। फू क्वोक वियतनाम का सबसे बड़ा द्वीप है, जो अपने सफेद रेतीले समुद्र तटों, कोरल रीफ और द्वीप पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है। अब्दुल्ला के रिश्तेदार ने कहा, वह सामान्यतः यात्रा पर नहीं जाते थे। पहले उन्होंने अपने बेटे को भेजने का विचार किया था, लेकिन अंततः स्वयं चले गए। वह 9 जुलाई को वियतनाम गए थे और 13 जुलाई को लौटने वाले थे। शनिवार सुबह उन्होंने बेटे से कारोबार के संबंध में बात की और पत्नी को बताया कि वे एक ऐसे द्वीप पर जा रहे हैं जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि वापस आने के बाद फोन करेंगे। उन्होंने अपनी नवजात पोती को वीडियो कॉल पर देखा। वही उनके परिवार से आखिरी संवाद साबित हुआ। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल की सरकारों ने कहा कि वे केंद्र सरकार के साथ मिलकर मृतकों के पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत लाने और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कार्य कर रही हैं। वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास ने हादसे में जान गंवाने वाले 15 भारतीय पर्यटकों की पहचान भी जारी कर दी है।

विदाई का सही वक्त तय करता ...

यह किसी साधारण खिलाड़ी की उपलब्धि नहीं हो सकती। लेकिन खेल केवल वहाँ तक पहुँचने का नाम नहीं है। महान खिलाड़ियों की असली पहचान वहाँ होती है, जहाँ वे निर्णायक मुकाबले जीतते हैं। इस कसौटी पर अर्से से महसूस हो रहा है कि जोकोविच अब अव्वल नहीं रहे। विंबलडन के सेमीफाइनल में दुनिया एक संघर्ष देखना चाहती थी। वह चाहती थी कि अनुभव और युवावस्था का टकराव पाँच सेटों तक जाए। लेकिन कोर्ट पर जो दिखाई दिया, वह एकतरफा था। तीन सेट, तीन बार 6-4, और लगभग पूरे मैच पर सिनर का नियंत्रण। जोकोविच लड़ते हुए ही नहीं दिखे; वे समय का पीछा करते हुए दिखे। जिस जोकोविच के सर्विस रिटर्न की दुनिया दीवानी रही , वह सिनर की सर्विस के आगे असहाय दिखे। पिछले कुछ समय से वह सिनर और अल्कारेज के आगे इतने ही असहाय महसूस होते आ रहे हैं। निस्संदेह, क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पाँच घंटे से अधिक का थकाऊ मुकाबला जीतकर अपनी महानता का एक और प्रमाण दिया था। लेकिन आधुनिक टेनिस किसी एक दिन का खेल नहीं है। यहाँ हर दूसरे दिन शरीर से वही गति, वही विस्फोट और वही ऊर्जा माँगी जाती है। यदि बहत्तर घंटे पहले खेला गया एक लंबा मैच सेमीफाइनल में आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रतिद्वंद्वी नहीं, समय आपको चुनौती दे रहा है। समय पर सही फैसला ही इतिहास में आपको अमरता दिलाता है। भारतीय क्रिकेट इस संदर्भ में दो विपरीत उदाहरण देता है। सुनील गावस्कर ने संन्यास उस समय लिया जब लोग उन्हें रोकना चाहते थे। अपने अंतिम एकदिवसीय मैच से ठीक पहले वाले मैच में उन्होंने करियर का एकमात्र वनडे शतक लगाया था। अंतिम टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान के तेज आक्रमण के सामने उन्होंने 96 रन बनाकर यह साबित कर दिया था कि उनके भीतर अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। तब लोगों ने पूछा/"इतनी जल्दी क्यों?/"लेकिन उन्होंने अपने शरीर की क्षमता को भांपते हुए बल्ला रख दिया था। दूसरी ओर कपिल देव थे। विश्व कप विजेता कप्तान, भारतीय क्रिकेट के महानतम ऑलराउंडरों में एक। लेकिन रिचर्ड हैडली के विकेटों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की चाह में वे अपेक्षा से अधिक समय तक खेलते रहे। तब सवाल बदल गया/"अब तक क्यों?/"महान खिलाड़ियों के सामने अंततः यही दो रास्ते होते हैं। या तो लोग कहें/"अभी क्यों जा रहे हो?/" या फिर कहें/"अब तक क्यों रुके हो?/"नोवाक जोकोविच आज इसी चौराहे पर खड़े हैं। उनकी उपलब्धियां किसी प्रमाणपत्र की मोहताज नहीं। सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम, सबसे अधिक संघर्षपूर्ण जीतें और सबसे अधिक वापसी की कहानियाँ का वह हिस्सा हैं। उन्होंने टेनिस के इतिहास को नई परिभाषाएँ दी हैं। लेकिन हर महान खिलाड़ी की विरासत उसकी अंतिम ट्रॉफी से नहीं, उसके अंतिम निर्णय से भी तय होती है। सिनर और अल्काराज अब भविष्य नहीं हैं। वे वर्तमान हैं। खेल की धारा आगे बढ़ चुकी है। पुरानी पीढ़ी का सम्मान तभी अक्षुण्ण रहता है, जब वह नई पीढ़ी के लिए मंच भी सम्मानपूर्वक छोड़ती है। शायद समय आ गया है कि बिग थ्री का अंतिम अध्याय भी उसी गरिमा के साथ लिखा जाए, जैसी गरिमा से उसके अभी तक अध्याय लिखे गए ।क्योंकि कुछ खिलाड़ी हारकर छोटे नहीं होते। वे केवल समय को जीतने की कोशिश करते-करते यह भूल जाते हैं कि समय से कोई नहीं जीतता। और सच तो यह है कि जो समय की आहट सुन ले, वही सबसे बड़ा विजेता होता है।

शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच ...

और उच्चस्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। हालाँकि, एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि जिस समय दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें विम्बलडन पर टिकी हैं, उसी समय ब्रिटेन का खेल माहौल कुछ अलग कहानी कह रहा है। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम विश्व कप के अहम मुकाबलों में व्यस्त है, इसलिए लंदन और पूरे इंग्लैंड में चर्चा का सबसे बड़ा विषय विम्बलडन नहीं, बल्कि फुटबॉल है। यह खेल संस्कृति की वही खूबसूरती है, जहाँ एक ओर सेंटर कोर्ट पर इतिहास लिखने की तैयारी है, तो दूसरी ओर फुटबॉल का जुनून लोगों की धड़कनों पर राज कर रहा है।

पेज एक के शेष

प्रदेश में बारिश पर ब्रेक...

आई है। पिछले चौबीस घंटे में तो सरगुजा संभाग में सर्वाधिक 4 सेमी. बारिश हुई है। मध्य इलाके में तो बूंदाबांदी की स्थिति भी नहीं बनी। यहां बादल छाए हुए हैं और वातावरण में पर्याप्त मात्रा में नमी मौजूद है जो लोगों की असहजता का कारण बन गया है। दिन में 33-34 डिग्री के टेंप्रेचर के बीच उमसभरी गर्मी महसूस हो रही है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो शुक्र-शनि की दरम्यानी रात का तापमान सामान्य से ढाई से तीन डिग्री ज्यादा था जिसकी वजह से परेशानी कुछ ज्यादा ही महसूस हुई।

जेएनएम मेडिकल कालेज..

सौ सीटों की हो गई है। राज्य में अभी शासकीय स्तर पर दस शासकीय मेडिकल कालेज हैं, इनमें नई सीट मिलाकर कुल 1450 सीटें हैं। प्रदेश में शासन पांच नए मेडिकल कालेज प्रारंभ करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। 50-50 सीटों की क्षमता वाले इन चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमति मिलने के बाद शासकीय कालेजों की सीट बढ़कर 1700 हो जाएगी। सरकारी के अलावा निजी कालेजों में एमबीबीएस की 900 सीटें हैं।

युवाओं को मिलेगा अधिक अवसर : जायसवाल: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि सीटों की संख्या बढ़ने से प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे और वे अपने ही राज्य में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। इससे अन्य राज्यों और विदेशों में जाकर एमबीबीएस की पढ़ाई करने वालों की निर्भरता कम हो जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

66 लाख से अधिक ...

को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की किश्त के साथ योजना के अंतर्गत अब तक 29 किश्तों में कुल 18,805.83 करोड़ रुपए की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में नारी शक्ति के सशक्तिकरण का जो व्यापक अभियान चल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार उसी संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। **2024 से शुरू हुई योजना** : उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से प्रदेश में लागू की गई है। योजना के तहत 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल मिलने के साथ परिवार के पोषण, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, कुपोषण एवं एनीमिया की रोकथाम तथा स्वरोजगार जैसी गतिविधियों को भी नई मजबूती मिली है।

मासूम के सामने मां को ...

रहने की सलाह दे रहा है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना कापू वन परिक्षेत्र के तालगांव की है, जहां तड़के करीब चार बजे एक हाथी अचानक गांव में घुस आया। हाथी को बस्ती में देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सभी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इसी दौरान 37 वर्षीय शकुंतला बाई भी घर से बाहर निकलकर भागने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन हाथी ने उन्हें दौड़ाकर पटक दिया और कुचल दिया। उस समय वहां शकुंतला बाई की बच्ची भी मौजूद थी। हमले में गंभीर रूप से घायल शकुंतला बाई को परिजन और ग्रामीण तत्काल कापू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना के दौरान उनकी छोटी बेटी अपनी मां को घायल अवस्था में देखकर बिलखती रही। **छत से ग्रामीणों ने बनाया वीडियो** : गांव में हाथियों की आमद की जानकारी मिलने पर जब वन अमले की एक टीम मौके पर पहुंची तो उस वक्त तक उक्त दंतैल दूसरी ओर था, लेकिन वह दौड़ते हुए वन अमले की गाड़ी के पास पहुंचा और उसे पलटाने की कोशिश की। इस पूरी घटना का वीडियो ग्रामीणों ने अपने मोबाइल में बनाया। ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए छत में चले गए थे।

मणिपुर में फिर हिंसा, 600 लोगों की भीड़, घर को लगा दी आग

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर में फिर से हालात खराब हो रहे हैं। इस बार यहां के कांतो सबाल में मैतेई घरों को फूंक दिया गया है। अब इसको लेकर मणिपुर पुलिस का बयान आया है। पुलिस ने बताया कि 11 जुलाई की सुबह, करीब छह सौ लोगों की भीड़ कांतो सबाल की तरफ बढ़ी। इस दौरान वहां मौजूद सुरक्षा बलों ने तत्काल उन्हें रोका और किसी तरह की सांप्रदायिक भिड़ंत नहीं होने दी। इस दौरान खाली पड़े घरों को आग लगाने की भीड़ के प्रयास को सफल नहीं होने दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। वहीं, सुरक्षा बल शांति-व्यवस्था बहाल करने में जुटे हुए हैं। कांतो सबाल नागा और मैतेई समुदाय बाहुल्य गांव है।

सुरक्षा बलों ने छोड़े आंसू गैस

गौरतलब है कि मैतेई समुदाय के तीन घरों को आग लगा दी गई है। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले बरसाए और स्मोक बम का भी इस्तेमाल किया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कई लोग घायल भी हो गए। हालांकि घायलों की वास्तविक संख्या कितनी है, इस बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

जवानों की हत्या करने वालों की तलाश : उधर मणिपुर में इस सप्ताह असम राइफल्स के दो जवानों की हत्या में शामिल लोगों की धरपकड़ के लिए सुरक्षाबलों ने उखरुल जिले के रिहायशी इलाकों और जंगलों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। असम राइफल्स ने बताया कि उसने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार को नुंगशांग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। असम राइफल्स ने कहाकि सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम अपराधियों का पता लगाने, छिपाकर रखे गए हथियारों एवं अन्य सामग्री के जखीरे बरामद करने तथा स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रिहायशी इलाकों और आसपास के जंगलों में गहन तलाशी अभियान चला रही है।

टीएमसी के अब तक 15 बैंक खाते फ्रीज, एक हजार करोड़ फंसे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 12 और बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए। एक दिन पहले ही पार्टी को कथित तौर पर 440 करोड़ रुपये के तीन अकाउंट को आंशिक रूप से ऑपरेट करने की इजाजत दी गई थी। अब तक कुल 15 टीएमसी बैंक अकाउंट फ्रीज किए जा चुके हैं, जिनमें कथित तौर पर करीब 1,000 करोड़ रुपये जमा हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नए फ्रीज किए गए 12 अकाउंट कई पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने अकाउंट होल्डर्स और उन अकाउंट में रिकॉर्ड किए गए आर्थिक ट्रांजैक्शन की डिटेल्स मांगी हैं।

'20-30 करोड़ और मंत्री पद का ऑफर'

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी पर बेहद गंभीर आरोप लगाया है। उनका दावा है कि बीजेपी ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक विधायक को 20 से 30 करोड़ रुपये देने का लालच दिया था। साथ ही दल-बदलने के एवज में उन्हें मंत्री पद और राज्य का दर्जा बहाल कराने का भरोसा दिया गया था। मुख्यमंत्री उमर का कहना है कि तमाम हथकंडे अपनाने के बाद भी बीजेपी उनके एक भी विधायक को तोड़ नहीं पाई। इसलिए केंद्र सरकार को उनकी शराफत या शांति को कमजोरी समझने की भूल बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। श्रीनगर के हजरतबल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जमकर भड़ास निकाली।

आम सूचना

(ग्राम बालोद तह. बालोद जिला बालोद में स्थित खसरा नं. 450/4 रकबा क्रमशः 1089 वर्गफिट के बंधक निष्पादन किये जाने एवं उक्त सम्पत्ति के पूर्व का विक्रय विलेख दिनांक 30.12.2022 के गुम हो जाने बाबत्)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रमेश कुमार टंडन पिता भागुराम टंडन के हक स्वामित्व एवं कब्जे की भूमि खसरा नं. 450/4 रकबा क्रमशः 1089 वर्गफिट ग्राम बालोद तह. बालोद जिला बालोद जिसका पुस्तक क्रमांक 1 ग्रन्थ क्रमाक 5706 में पृष्ट 266 से 284 पर विलेख क्रमांक में 1882 उपपंजीयक कार्यालय बालोद दिनांक 31.03.2025 उक्त सम्पत्ति का पूर्व का विक्रय विलेख कहीं गुम हो गया है जो कि दिनांक 30.12.2022 का है जिसमें विक्रेता 1. श्रीमति निशा बैष्णव पति श्री प्रियंक बैष्णव 2. श्रीमति बीनू शर्मा पति हेमंत शर्मा दोनों निवासी बालोद तह. बालोद जिला बालोद द्वारा मुख्यार आम हेमंत शर्मा पिता सोमेश्वर प्रसाद शर्मा तथा क्रेता राजेश कुमार साहू पिता जनक राम निवासी हबीबगंज नाका होशंकाबाद रोड हुजुर तह. हुजुर जिला भोपाल जिसका पुस्तक क्रमांक 1 ग्रन्थ क्रमांक 5467 में पृष्ट 271 से 305 पर विलेख क्रमांक में 1392 उपपंजीयक कार्यालय बालोद है बहुत खोजबीन के पश्चात भी नहीं मिल रहा है उक्त सम्पत्ति को रमेश कुमार टंडन पिता भागुराम टंडन बंधक रखकर ऋण लेने हेतु आवेदन आवास फाईनेसियर्स लिमिटेड में प्रस्तुत किया है अतः किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, निकाय, शासन प्रशासन एवं अन्य को उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख दिनांक 30.12.2022 जिसका विवरण उपरोक्तानुसार है के संबंध में या उपरोक्त सम्पत्ति के हक स्वामित्व एवं कब्जे के संबंध में कोई दावा आपत्ति उजर हो तो वह मेरे समक्ष इस सूचना के प्रकाशन के सात (07) दिनों के अंदर मेरे नीचे वार्णित पते पर प्रस्तुत करे निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति शून्य एवं नाजायज मानी जाकर मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा बंधक निष्पादन किया जावेगा सो सूचना जाने।

दिनांक 06.07.2026

सौरभ मिश्रा अधिवक्ता
कार्यालय ईतवारी बाजार धमतरी
मो.नं.-9285346788, 6266727945

homefirst
We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ' 'जैसा है जहां है' ',' 'जैसा है वैसा ही' ' और ' 'जो कुछ भी है' ' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ' 'ऑनलाइन' ' आयोजित की जाएगी।

क्र सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	लालदेव यादव, कामदेव यादव, इंद्रदेव यादव	प्लॉट-संपत्ति भूमि ख.नं. 1527/2 का भाग, क्षेत्रफल 500 वर्गफुट, मौजा सांकरा में स्थित, प.ह.नं. 08, आर.आई.सी. अमलेश्वर, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), रायपुर, छत्तीसगढ़-491111, चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-रामअवतार की भूमि, उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-रामअवतार की भूमि।	06-05-2026	12,25,176	07-07-2026	10,00,000	1,00,000	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	8197388148
2.	गौंड सतेंद्र कुमार, गौंड आशमा देवी	मकान-संपत्ति व्यपवर्तित भूमि जिसका प्लॉट क्रमांक एलआईजी-71 है, खसरा नंबर 1328/20 क्षेत्रफल 0.0050 हेक्टेयर अथवा 54.00 वर्ग मीटर है। मौजा-परसदा में स्थित संपत्ति, प.ह.नं. 13, आर.आई.सी.-कुम्हारी, तहसील भिलाई-3 व जिला दुर्ग (छ.ग.), कुम्हारी, छत्तीसगढ़-490042, चौहद्दी: पूर्व-एलआईजी-102, पश्चिम-सड़क, उत्तर-एलआईजी-72, दक्षिण-एलआईजी-70	06-05-2026	16,15,838	07-07-2026	15,91,560	1,59,156	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	8197388148

ई-नीलामी सेवा प्रदाता: कंपनी का नाम: ई- प्रोक्यूरमेंट टेक्नालॉजीस लिमि. (ऑक्शन टाईगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	ई-ऑक्शन वेबसाइट/जानकारी और अन्य शर्तों के लिए:	ईएमडी / अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा आईएफएससी कोड:	लाभार्थी का नाम
खाता नंबर (EMD/अन्य राशि जमा करने के लिए): 911020005835824 होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड - एक्सिस बैंक लिमिटेड, बैंगलोर KT **लाभार्थी का नाम** : अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	911020005835824- होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड एक्सिस बैंक लिमिटेड बैंगलौर केटी	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कम्पनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 12-07-2026 स्थान: रायपुर

हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

राशिफल

मेष: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष: व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह: आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु: आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर: माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ: अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन: शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6284

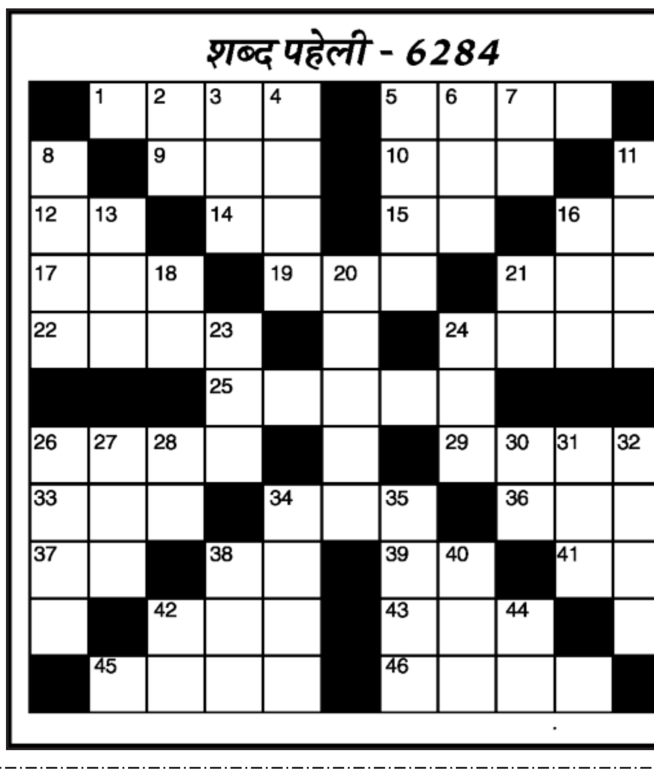

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 6283 का हल

सूडोकु नवताल - 6294

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6293 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपए की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं। यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है।

बिजनेस साइट

बस्तर के 30 दुग्ध उत्पादक किसान तीन दिवसीय प्रशिक्षण के लिए गुजरात रवाना

रायपुर। बस्तर क्षेत्र में दुग्ध सहकारिता को मजबूत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (सीजीसीडीएफ) ने लगभग 30 दुग्ध उत्पादक किसानों के दल को तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण के लिए गुजरात के आनंद और बनासकांठा रवाना किया। दल को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के प्रशिक्षण केंद्र, आनंद में आधुनिक डेयरी प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही किसान पालनपुर स्थित बनास डेयरी का भ्रमण करेंगे, जिसे एशिया की सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाओं में गिना जाता है।

प्रशिक्षण के दौरान किसान दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण, सहकारी प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, विपणन प्रणाली तथा किसान हितैषी सेवाओं की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अध्ययन करेंगे। डेयरी विशेषज्ञों एवं प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद के माध्यम से उन्हें सफल सहकारी मॉडल की बारीकियों से भी अवगत कराया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य बस्तर की भौगोलिक एवं सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बनास डेयरी मॉडल के उपयुक्त तत्वों को अपनाकर ग्राम स्तरीय दुग्ध सहकारी समितियों को सशक्त बनाना, दुग्ध उत्पादन एवं संकलन बढ़ाना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना है।

किसानों के दल को छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ के प्रबंध संचालक डॉ. एम. जयकृष्णा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप प्रबंध संचालक सैकेत सामंता, प्रोजेक्ट हेड के.सी. बेहरा सहित महासंघ के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की
बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है वैसा ही'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ''ऑनलाइन'' आयोजित की जाएगी।

क्र सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	नेहा शर्मा, अशोक कुमार शर्मा	ख.नं. 179/4 का भाग क्षेत्रफल-1955 वर्ग फुट वाली भूमि; यह संपत्ति मौजा-दतरेंगा, प.ह.नं .84, आर.आई. सी.- धरसींवा -18 कंदुल तहसील व ज़िला रायपुर (छ.ग.), रायपुर, छत्तीसगढ़, 492102 में स्थित है। चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि।	03-02-2026	13,72,759	07-04-2026	10,94,800	1,09,480	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	8197388148

ई-नीलामी सेवा प्रदाता:	ई-ऑक्शन वेबसाइट/जानकारी और अन्य शर्तों के लिए:	ईएमडी / अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा आईएफएससी कोड:	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई- प्रोक्यूरमेंट टेक्नॉलॉजीस लिमि. (ऑक्शन टाईगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	911020005835824- Home First Finance Company India Ltd Axis Bank Ltd., Bangalore KT	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कम्पनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 12-07-2026 स्थान: रायपुर

हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टीचर

WANTED TEACHERS- Primary, Middle and Higher Secondary School (All Subjects including Computer and PTI) WALK-IN-INTERVIEW Sunshine Hr. Sec. School, Durg Opp. Utsav Palace, Station Road, Durg Date: 13.07.2026 Timings: 12:30p.m. to 2:30p.m. Phone No: 9300768856, 9098532963.(आरो न - 1315)

आवश्यकता है- लेडी प्रिंसीपल, वाईस प्रिंसीपल एवं एकाउंट, मैथ्स, मैनेजमेंट इको, एसएसटी, इंग्लिश पढ़ाने हेतु, डांस, म्यूजीक, स्पोर्ट्स शिक्षक/ शिक्षिकाओं की आवश्यकता हैं। **साक्षात्कार 15.07.2026 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855.**(आरो-097)

Requirement- science teacher to teach -chemistry & biology - contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528.(आरो-14)

हरिभूमि क्लासीफाईड

दुकान कार्य

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ **मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोन: 7224926767.** (आरो-096)

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य हेतु परमानेंट पार्ट/ फूल टाइम युवक युवतियों, लड़कों (8वीं, 12वीं, स्नातक) की आवश्यकता है। वेतन पांच अंको में योग्यतानुसार। **जैन बुक डिपो, सदर बाजार, रायपुर। 8109535868.**(RO-398)

आवश्यकता है- बेकरी शॉप में कस्टमर हैंडल करने स्मार्ट युवक/ युवतियों की तथा अन्य कार्य हेतु मेहनती युवकों की आवश्यकता है। **संपर्क करें: न्यू हीरा बेकरी टिकरापारा, रायपुर. 9754178006.**(आरो-910)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- बैंगल की दुकान में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल की आवश्यकता है। कंप्यूटर जानकर graduated वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क द बैंगल स्टूडियो शुभम 'केमार्ट के सामने संतोषी नगर रायपुर 93028-22500.**(आरो-280)

ऑफिस बॉय/प्यून

आवश्यकता है- ऑफिस बॉय प्यून जिसे साफ- सफाई, माल लोड अनलोड करना, किचन कार्य/चाय बनाना एवं वाहन 04 व्हीलर चलाना आता हो **संपर्क करें। संपर्क कर्ता मोबाइल :- 9301512896.**(आरो-884)

इलेक्ट्रिशियन

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता है रायपुर शहर में बिजली फिटिंग करने के लिए अनुभवी इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता है **शीघ्र संपर्क करें। नरेंद्र साहू ब्राह्मण पारा रायपुर मोबाइल :- 70241-77554, 81207-47449.**(आरो-885)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ति में पैकिंग कार्य के लिये लेडिस व लोडिंग अनलोडिंग के लये पुरूष कि आवश्यकता है **संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मों नं. - 74699-80000, 0771-4075490.**(आरो-883)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- पूनम स्वीट्स, प्रतिष्ठित मिठाई दुकान में सेल्समैन, सेल्सगर्ल, मिठाई कारीगर एवं भेल, सैंडविच, शेक कारीगर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं. रहने की सुविधा उपलब्ध। **संपर्क: पूनम स्वीट्स, जयस्तंभ चौक, रायपुर. मोबाइल: 9893397633.**(RO-16576)

मैनेजर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- (1) ट्रान्सपोर्ट मैनेजर (जो सभी गाड़ियों का पूर्ण मैनेजमेंट करे) (2) मेन्टेन्स सुपरवाइजर (जो ट्रकों के पूर्ण रखरखाव का अनुभवी हो) (3) ट्रक ड्राइवर (जो ट्रेलर 14 चक्का गाड़ियां चलाने का कम से कम 5वर्ष का अनुभव हो) **सम्पर्क करें- विशाल मोटर्स 7000470116, 7974174906.**(RO-41360)

मैनेजर/पंप कर्मी

आवश्यकता है- माना बस्ती स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प मे कार्य हेतु मैनेजर एव पम्प स्टाफ की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करे:- 9329798983, 7755098983.** (आरो-046)

सुपरवाइजर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- सुपरवाइजर एवं पैकिंग कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। **पता अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 7:00 मोबाइल 8770676924.** (आरो-281)

सप्लायर/सेल्समैन

आवश्यकता है- टू व्हीलर में, किराना दुकानों में मॉल सप्लाई करने हेतु (रायपुर स्थित एजेंसी में) सप्लायर एवं सेल्स मैन की आवश्यकता है। **कॉन्टैक्ट- 9993588599.** (आरो-910)

मैकेनिकल इंजीनियर

आवश्यकता है- भिलाई में फेब्रिकेशन उद्योग हेतु एक अनुभवी मैकेनिकल इंजीनियर की आवश्यकता है, जिसे कटिंग प्लान, प्रोडक्शन क्वालिटी तथा संबंधित तकनीकी ज्ञान हो। न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव जरुरी।- **7000629300, 9425550250.** (आरो न.- 314)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर, कप्तान जानकार को प्राथमिकता। **संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव-प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590** (आरो नं.- 311)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - निशुल्क छत्तीसगढ़िया ज्योतिष- विचार, देखाइया "बईगा" चमत्कारी काली माई की शक्ति से आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, साब्बो समस्या के समाधान बर **एक बेर जरूर मिलव मों:- 8461886239.**(आरो- 886)

Property प्रापर्टी

प्लॉट बेचना है - भिलाई पावर हाउस से मात्र 12–15 किमी की दूरी पर फार्महाउस प्लॉट₹ ₹ कीमतः 135 प्रति वर्गफुट₹ ₹ लोकेशनः नंदिनी अहिवारा, सुविधाएं 40 फीट चौड़ी WBM सड़क, हरियाली से भरपूर पौधा रोपण भिलाई पावर हाउस से **उत्कृष्ट कनेक्टिविटी शांत एवं प्राकृतिक वातावरण संपर्क करें:- 8882287253.** (आरो-045)

बेचना है- रायपुर - आई. ए. एस. कॉलोनी, धरमपुरा स्थित प्लॉट नंबर 194, 4454 वर्गफुट आवासीय फ्रीहोल्ड भूमि पूर्व एवं पश्चिम मुखी बेचना है। इच्छुक व्यक्ति **संपर्क करें। 9301004560.**(आरो-A)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए- Wanted Bride- Bengalee 42/5'-9'', General Caste, Divorcee. PG from IIIT, Posting Accenture Nagpur, 3 Lakhs/ month. Parents Pensioners. Houses Jabalpur & Kolkata. Caste no bar. Mob- 7987502840 (1007)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, री मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

- मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, ' यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गया है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

सह मेजबान अमेरिका और मैक्सिको के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद टिकटों की कीमतों में गिरावट आई है। टिकपिक वेबसाइट ने कैलिफोर्निया के इंगलवुड में स्पेन और बेल्जियम के बीच खेले गए मैच के लिए टिकटों की सबसे कम कीमत 1,381 डॉलर बताई। अंतिम 16 के मैच में बेल्जियम से अमेरिका की हार से पहले इनकी कीमत 3,261 डॉलर थी। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में होने वाले मैच के लिए सबसे कम टिकट की कीमत 2,049 डॉलर हो गई। इंग्लैंड की मैक्सिको पर जीत से पहले यह कीमत 3,866 डॉलर थी। इसी तरह कनसास सिटी में अर्जेंटीना और स्विट्जरलैंड के बीच होने वाले मैच के लिए सबसे कम टिकट की कीमत 1,142 डॉलर तक गिर गई है, जो इससे पहले 2,381 डॉलर थी। इस बीच फीफा ने न्यूजर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले विश्व कप फाइनल के लिए श्रेणी दो के लगभग 1,200 टिकट 7,380 डॉलर की कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं।

खबर संक्षेप

एवियन चैंपियनशिपः अदिति ने कट में बनाई जगह

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के कट में जगह बनाई। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता अदिति का 36 होल के बाद कुल स्कोर दो अंडर है और वह संयुक्त 38वें स्थान पर हैं। अदिति अपना 38वां मेजर टूर्नामेंट खेल रही हैं, जो किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में नौ बार में से पांचवीं बार कट में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाई और इस बीच तीन बोगी भी की।

गोलकीपर जीते 'गोल्डन बॉल' : सुब्रत पॉल

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सुब्रत पॉल का मानना है कि अमेरिका में चल रहा फीफा विश्व कप लियोनेल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड और हैरी केन जैसे स्ट्राइकर के लिए ही नहीं, बल्कि गोलकीपरों के असाधारण प्रदर्शन के लिए भी याद किया जाएगा। भारत की तरफ से 84 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पॉल का मानना है कि फीफा विश्व कप के अंतिम चरण तक पहुंचने वाली टीमों की सफलता का श्रेय काफी हद तक उनके गोलकीपरों को जाता है।

विंबलडनः लिंडा नोस्कोवा ने पहली बार जीता विमेंस सिंगल्स का खिताब

कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

लंदन। सेंटर कोर्ट पर खेले गए रोमांचक 'ऑल-चेक' फाइनल में शनिवार को नौवीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा ने हमवतन कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर अपना पहला विंबलडन विमेंस सिंगल्स खिताब जीता। नोस्कोवा ने चैंपियनशिप मैच में संयमित खेल दिखाया। दूसरा सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और तीन सेटों में जीत हासिल कर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब अपने नाम किया।

लिंडा ने किया दमदार सर्विस का बखूबी इस्तेमाल

21 वर्षीय लिंडा ने पूरे मैच के दौरान अपनी दमदार सर्विस का बखूबी इस्तेमाल किया और मुचोवा के छह ऐस के मुकाबले 10 ऐस लगाए। फर्स्ट-सर्व प्रतिशत (75 प्रतिशत बनाम 71 प्रतिशत) में भी उन्हें थोड़ी बढ़त मिली और उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 74 प्रतिशत अंक जीते। इसके साथ ही 13 ब्रेक-प्वाइंट्स मौकों में से चार को भुनाया।

10वीं वरीयता प्राप्त मुचोवा ने पहला सेट हारने के बाद जबरदस्त वापसी की और दूसरा सेट 7-5 से जीतकर मैच को निर्णायक सेट तक खींच लिया। हालांकि, नोस्कोवा ने आक्रामक बेसलाइन खेल के साथ अंतिम सेट में फिर से नियंत्रण हासिल किया और अहम मौकों पर संयम बनाए रखते हुए मैच अपने नाम किया। नोस्कोवा ने मुचोवा के 92 अंकों के मुकाबले कुल 109 अंक हासिल किए और कुल 17 गेम जीते, जिससे दो घंटे तक चले इस मुकाबले में उनका दबदबा साफ झलका।

क्वितोवा के बाद सबसे कम उम्र की विंबलडन चैंपियन बनीं नोस्कोवा : *यह जीत नोस्कोवा के लिए पहला विंबलडन खिताब और एक बड़ी ग्रैंड स्लैम जीत है, जबकि मुचोवा को खेल के सबसे बड़े मंच पर एक और शानदार प्रदर्शन के बावजूद उपविजेता बनकर ही संतोष करना पड़ा। 21 वर्षीय नोस्कोवा अपनी आदर्श खिलाड़ी और चेक दिग्गज पेट्रा क्वितोवा के बाद सबसे कम उम्र की विंबलडन चैंपियन बनीं।*

पैटन-हेलियोवारा ने जीता मेंस डबल्स खिताब

लंदन। विंबलडन के फाइनल में फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा के साथ मिलकर हेनरी पैटन ने 'मेंस डबल्स' खिताब अपने नाम किया। इस एंग्लो-फिनिश जोड़ी ने शनिवार को लंदन में अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पाविक को 7-6(4), 7-6(3) से शिकस्त दी। इसी के साथ पैटन 'ओपन एरा' में 2 विंबलडन मेंस डबल्स टाइटल जीतने वाले पहले ब्रिटिश पुरुष बन गए। टॉप सीड पैटन और हेलियोवारा ने इससे पहले साल 2024 में यहां खिताब जीता था और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। हेलियोवारा और पैटन साल 2011 में बॉब ब्रायन और माइक ब्रायन के बाद एक से अधिक बार विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली मेंस डबल्स टीम बन गए। वे ओपन एरा में यह उपलब्धि हासिल करने वाली 11वीं टीम हैं। दो हफ्तों तक चले इस टूर्नामेंट में, चैंपियंस ने तीन फाइनल-सेट टाई-ब्रेक जीते। उन्होंने दूसरे राउंड में मैक किगर और पैट्रिक थैक को, तीसरे राउंड में एडम पावलासेक और पैट्रिक रिक्ल को और क्वार्टर-फाइनल में आठवीं सीड गुइडो आंद्रेओजी और मैनुअल गुइनार्ड को शिकस्त दी। उन्होंने चैंपियनशिप में अपने नौ टाई-ब्रेक में से आठ जीते।

अंतिम टी20 में इंग्लैंड ने भारत को 56 रन से हराया

बटलर और ब्रुक की विस्फोटक पारी इंग्लैंड ने भारत को किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▶▶| साउथम्पटन

जोस बटलर ने अपने पुराने आक्रामक अंदाज की झलक दिखाते हुए शानदार शतक जड़ा, जबकि कप्तान हैरी ब्रुक ने भविष्य के सितारे की तरह बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 56 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 4-0 की ऐतिहासिक क्लीन स्वीप पूरी कर ली।

बटलर के 64 गेंदों में 131 रन और ब्रुक के 45 गेंदों में नाबाद 95 रन की बदौलत इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इस मुकाबले में पूरी तरह बेअसर नजर आया। बटलर और ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 233 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारियों में शामिल हो गई।

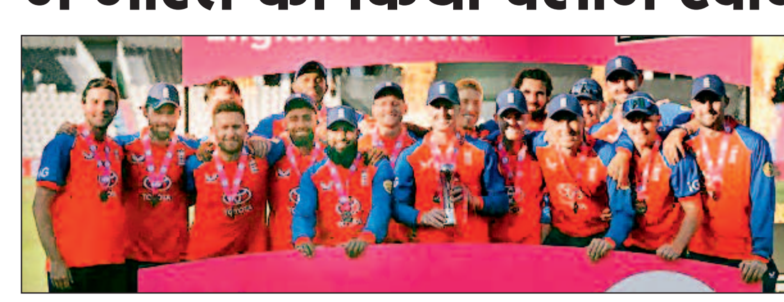

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने इस दौरे के सभी सात टी20 मुकाबलों में अपनी सबसे अच्छी बल्लेबाजी जरूर की, लेकिन जीत के लिए यह प्रयास काफी नहीं था। भारत की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन तक ही पहुंच सकी। इशान किशन ने 35 गेंदों में 56 रन और आलोचनाओं का सामना कर रहे तिलक वर्मा ने 25 गेंदों में 53 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला, लेकिन उनकी पारियां टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सकीं।

तीरंदाजी विश्व कप

प्रिथिका ने पहली बार जीता कांस्य

मैड्रिड। भारत की 17 वर्षीय तीरंदाज प्रिथिका प्रदीप ने शानदार वापसी करते हुए दुनिया की 11वें नंबर की तीरंदाज हजल बुरुन को 145-142 से हराकर मैड्रिड तीरंदाजी विश्व कप में अपने करियर का पहला व्यक्तिगत विश्व कप कांस्य पदक जीता। उन्होंने इसके साथ ही एक ही दिन में भारत के लिए दो पदक जीतकर यादगार प्रदर्शन किया। प्रिथिका ने ज्योति सुरेखा वेन्नम और चिकिथा तनीपार्थी के साथ मिलकर महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने इस तरह कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का समापन दो पदकों के साथ किया। अब रविवार को रिकर्व वर्ग में भारतीय तीरंदाजों के पास दो और पदक जीतने का मौका होगा।

महिला टेस्ट : इंग्लैंड 170 रन पर ढेर, टीम इंडिया की पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶| लंदन

तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ के लाल गेंद क्रिकेट में पहले 5 विकेट के शानदार प्रदर्शन और स्मृति मंधाना के लगातार दूसरे अर्धशतक की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बना लिए थे और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई थी।

मंधाना एक बार फिर बनी भारतीय पारी की धुरी

मंधाना 124 गेंदों में 69 रन बनाकर नाबाद थीं और एक बार फिर भारतीय पारी की धुरी बनी रहीं। इससे पहले गौड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर पांच विकेट झटके, जिसकी मदद से भारत ने इंग्लैंड की पहली पारी को 170 रन पर समेटकर 115 रन की बढ़त हासिल की थी।

क्रांति की घातक गेंदबाजी

भारत के दबदबे की कहानी क्रांति गौड़ की दो सत्रों में की गई घातक गेंदबाजी से लिखी गई, जिसमें उन्होंने चार अहम विकेट चटकाए। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार शाम टैमी ब्यूमोंट को आउट किया था। दूसरे दिन के दूसरे ओवर में ही गौड़ ने माइया बूचियेर (23) को पवेलियन भेज दिया। बाहर जाती गेंद पर बूचियेर का अधूरा शॉट विकेटकीपर यास्तिका भाटिया के हाथों में समा गया।

शॉटगन विश्व कप : नीरु ने जीता स्वर्ण पदक

लोनाटो। एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीरू धांडा ने शनिवार को आईएसएसएफ विश्व कप की महिला ट्रैप स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने इस वर्ष वैश्विक स्तर पर शॉटगन स्पर्धाओं में भारत के व्यक्तिगत पदक के इंतजार को भी समाप्त कर दिया। पिछले वर्ष एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण और इस साल आईएसएसएफ विश्व कप मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य जीतने वाली 26 वर्षीय नीरु के करियर की यह अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने लगातार दो दिन बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन नीरु ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 30 में से 27 निशाने साधकर विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ दिया।

बैंक ऑफ इंडिया
Bank of India BOI
राजनांदगांव शाखा :- फौव्वारा चौक, दिग्विजय कॉलेज रोड, राजनांदगांव (छ.ग.)

लॉकर की समय-सीमा समाप्त होने की सूचना

सभी संबंधित लॉकर धारकों को सूचित किया जाता है कि बार-बार याद दिलाने के बावजूद, लॉकर का किराया अभी तक जमा नहीं किया गया है और लॉकर का इस्तेमाल भी नहीं हो रहा है। इसलिए, आपको सलाह दी जाती है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर बकाया लॉकर किराया जमा करें और शाखा प्रबंधक को सूचित करें। ऐसा न करने पर, बैंक लागू नियमों के अनुसार आपके जोखिम और जिम्मेदारी पर लॉकर को तोड़ने के लिए मजबूर होगा। साथ ही, कृपया ध्यान दें कि यदि कोई बकाया किराया है, तो उसे लॉकर तोड़ने के शुल्क के साथ आपसे वसूला जाएगा।

स.क्र.	लॉकर धारक का नाम	पता	लॉकर नं.	राशि	बकाया तिथि
1.	डी.रत्नाकर	तुलसीपुर, वार्ड नं. 16, गली नं. 03, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ -491441.	000027	₹ 24780.00	28/01/2014
2.	प्रतीभा दास	कालीपारा, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़-491441.	000047	₹ 24780.00	30/12/2012
3.	नीरू शर्मा	म.नं.-22, स्टेट बैंक कॉलोनी, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ - 491441.	000078	₹ 14868.00	13/10/2019

दिनांक : 12.07.2026, स्थान : राजनांदगांव
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर, प्रथम तल, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (छ.ग.) पिन- 495004

किराए पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपनी निम्नलिखित शाखाओं के लिए वाणिज्यिक गतिविधियों हेतु अनिवार्य रूप से अनुमति प्राप्त परिसर के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है।

स्थान- कमर्शियल एरिया/क्षेत्र	परिसर का अनुमोदित कार्पेट एरिया
कवर्धा- जिला- कबीरधाम	1400 ± 10 % वर्ग फिट

प्रस्तावित परिसर अलग प्रवेश के साथ एटीएम रूम सहित शाखा स्थानांतरण के लिए लीज किराया आधार पर प्रमुखता से मेन रोड एवं भूतल मंजिल (पर्याप्त पार्किंग क्षेत्र के साथ) पर होना चाहिए। इच्छुक व्यक्ति अपने प्रस्ताव को एक लिफाफे में आवेदन किए जा रहे उपरोक्त शाखा स्थान का नाम लिख कर प्रेषित करें। इस लिफाफे के अंदर दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफे संदर्भित प्ररूपों के साथ **"तकनीकी बिड"** और **"प्राइस बिड"** के नाम से उल्लेख करें। आपका प्रस्ताव बैंक के निर्धारित प्रारूप में **दिनांक 03.08.2026 सायं 04.00 बजे तक** क्षेत्र प्रमुख, **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बिलासपुर क्षेत्रीय कार्यालय, गुम्बर पेट्रोल पंप के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर- 495004 (छ. ग.)** को प्रस्तुत करें। इन प्ररूपों को कार्यालय समय (सुबह 10 से शाम 05 बजे) के दौरान उपर्युक्त कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से प्राप्त किया जा सकता है या e-Procurement portal tenders.gov.in/ बैंक की वैबसाइट www.unionbankofindia.co.in के " निविदा" खंड के अंतर्गत इस निविदा के विज्ञापन के साथ डाउनलोड किया जा सकता है । बिना कारण बताए किसी एक और सभी प्रकार के बिड को रद्द करने का अधिकार बैंक अपने पास सुरक्षित रखता है.

दिनांकः 10/07/2026
प्राधिकृत अधिकारी

शरीर की नसों को अगर जोड़ दें तो दो बार लगा सकती हैं पृथ्वी का चक्कर

मानव शरीर अविश्वसनीय है, जो एक साथ अनगिनत कार्य करता है। हालांकि, अभी भी शरीर के कई ऐसे कार्य हैं, जिनसे ज्यादातर लोग वाकिफ नहीं हैं। आज हम आपको मानव शरीर के बारे में कुछ ऐसे अजीब तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपको हैरान कर देंगी।

नसें खून को अंगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़े नेटवर्क की तरह काम करती हैं। अगर एक इंसान के शरीर की नसों को एक साथ जोड़ा जाए तो वे पृथ्वी का 2 बार से ज्यादा चक्कर लगा सकती हैं। इन नसों को जोड़ने पर इनकी लंबाई लगभग 60,000 से एक लाख मील हो सकती है, जबकि पृथ्वी का घेरा लगभग 24,900 मील लंबा है।

शरीर हर सेकंड बनाता है 2.5 करोड़ नई कोशिकाएं

सभी जानते हैं कि शरीर लगातार कोशिका विभाजन के जरिए नई कोशिकाएं बनाता रहता है। हमारा शरीर हर सेकंड 25 मिलियन यानि 2.5 करोड़ नई कोशिकाओं का निर्माण करता है। इनमें से ज्यादातर रक्त कोशिकाएं होती हैं। शरीर रोजाना अरबों पुरानी कोशिकाओं को नई कोशिकाओं से बदलकर अपने सभी कार्यों को सुचारू रूप से चलाता है।

सुबह उठने पर हम होते हैं लंबे

क्या आप मान सकते हैं कि आप सुबह बाकि दिन की तुलना में लंबे होते हैं? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यह सच है। जब हम सुबह सो कर उठते हैं तो हम रात की तुलना में लगभग एक सेंटीमीटर लंबे होते हैं। आराम की स्थिति में रीढ़ की हड्डी को फैलने का मौका मिलता है, जो दिनभर गुरुत्वाकर्षण की वजह से दबी हुई रहती है। यही कारण है कि सुबह खड़े होने पर हम लंबे लगते हैं।

मरने के बाद हमें खाना शुरू कर देते हैं हमारी आंत के बैक्टीरिया

हमारी आंत में हजारों बैक्टीरिया रहते हैं, जो खाने को पचाने का काम करते हैं। हालांकि, मरने के बाद जब इन बैक्टीरिया को भोजन नहीं मिलना तो ये हमें ही शिकार बना लेते हैं। मरने के महज 4 मिनट के अंदर ही आंत के बैक्टीरिया शरीर को अंदर से खाना शुरू कर देते हैं। इस प्रक्रिया को पुत्रेफैक्शन यानि सड़न कहा जाता है। ये बैक्टीरिया पहले ऊतकों को खाते हैं और धीरे-धीरे बड़े अंगों तक जाने लगते हैं।

कुछ भी छूना है मना, नहीं चलता भारत का कानून

हिमाचल प्रदेश की वादियों में एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। हम बात कर रहे हैं मलाणा की, जो कुल्लू जिले का एक रहस्यमयी गांव है। यहां आने वाले यात्रियों को कुछ भी छूने की इजाजत नहीं दी जाती है और यहां भारत का कानून भी नहीं चलता है। जी हां, यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक है।

हिमाचल प्रदेश में आम तौर पर हिंदी, कांगड़ी, कुल्लूई, मंडेली और सिरमौरी जैसी भाषाएं बोली जाती हैं। हालांकि, मलाणा के लोग एक ऐसी भाषा में बात करते हैं, जो उनके अलावा कोई नहीं समझ सकता। इसको 'कनाशी' कहते हैं, जिसमें ग्रीक भाषा के कुछ शब्द इस्तेमाल होते हैं। वैसे तो यहां के लोग परिषद के फैसले मानते हैं, लेकिन अब बदलाव आ रहे हैं।

गांव की चीजों और लोगों को छूने की है मनाही

जहां पूरे भारत में 'अतिथि देवो भव' की प्रथा चलती है, वहीं मलाणा के लोग अतिथियों से दूरी बनाना पसंद करते हैं। यहां आपको जगह-जगह पर साइन बोर्ड मिल जाएंगे, जिन पर साफ लिखा होता है कि 'कुछ भी छूना मना है'। आप गांव के घरों, दुकानों और मंदिरों के साथ-साथ यहां के लोगों को भी हाथ नहीं लगा सकते। सामान आदि खरीदते समय पैसे भी स्थानीय लोगों के हाथों के बजाय जमीन पर रखने होते हैं।

कौन बनाता है इस गांव के कानून?

जैसा कि हमने पहले बताया, मलाणा के लोग भारत का कानून नहीं मानते हैं। इस गांव में उनका खुद का कानून चलता है, जिसे बड़े-बूढ़ों की एक परिषद तय करती है। परिषद में कुल 11 लोग होते हैं, जो उनके पौराणिक देवता जमलू ऋषि के आदेशों का पालन करते हैं। गांव के हर एक सदस्य को इन बुजुर्गों के फैसले सिर-आखों पर रखने होते हैं और वे पत्थर की लकीर होते हैं।

क्या है इस अजीब कानून का कारण?

मलाणा में जो यात्री किसी घर या व्यक्ति को छूने की गलती कर बैठता है, उसे 1500 रुपये से अधिक का जुर्माना भरना पड़ता है। इसका कारण साफ-सफाई बनाए रखना नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही जाति प्रथा है। मलाणा के लोग खुद को सिकंदर महान के वंशज मानते हैं और बाहरी लोगों को अपवित्र समझते हैं। यात्रियों से जो जुर्माना लिया जाता है, उससे जानवर खरीदा जाता है और शुद्धिकरण के नाम पर उसकी बली दी जाती है।

दुनिया में सबसे छोटे कद के लोग रहते हैं इन देशों में

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे देश हैं जो अपनी जनसंख्या के कम औसत कद के लिए जाने जाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि दुनिया के सबसे छोटे कद के लोग किन देशों में रहते हैं। भारत सबसे कम कद वाले देशों की सूची में शामिल नहीं है। अरबों की आबादी वाले इस देश में पुरुषों की औसत ऊंचाई 5 फीट 6 इंच है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 5 फीट 4 इंच है। भारत में लोगों की औसत ऊंचाई मध्यम है।

तिमोर-लेस्ते : तिमोर-लेस्ते दुनिया में सबसे कम औसत ऊंचाई वाले लोगों का देश है। दक्षिण-पूर्वी एशिया में तिमोर द्वीप के पूर्वी भाग में स्थित यह देश छोटे कद के लोगों का देश है। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 160 सेंटीमीटर (5 फीट 3 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है। कम कद का मुख्य कारण पोषण की कमी और आनुवंशिक कारण हैं।

लाओस : दक्षिणपूर्व एशिया का एक और देश लाओस दुनिया में दूसरे सबसे कम कद वाले लोगों का देश है। यहां पुरुषों की लंबाई लगभग 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) और महिलाओं की लंबाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है।

सोलोमन और पापुआ न्यू गिनी द्वीप समूह : प्रशांत महासागर में स्थित मेलनेशियन देश सोलोमन द्वीप समूह में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 157 सेंटीमीटर (5 फीट 2 इंच) है। इसी तरह पापुआ न्यू गिनी में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर और महिलाओं की 157 सेंटीमीटर है।

मोजाम्बिक : दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में मोजाम्बिक में पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 164 सेंटीमीटर (5 फीट 5 इंच) और महिलाओं की 155 सेंटीमीटर (5 फीट 1 इंच) है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com